सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

ओलंपिक चैंपियन तैराक एरियन टिटमस ने संन्यास की घोषणा की -पेज: 7

न्यूयॉर्क से दिल्ली पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा; राजामौली की फिल्म की शूटिंग करेंगी -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 190 | शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

निमिषा प्रिया मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2026 में

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल निवासी निमिषा प्रिया को यमन में एक नागरिक की हत्या के मामले में फांसी की सज़ा सुनाई गई है। वहीं भारत में निमिषा प्रिया को बचाने के लिए सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट अब मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2026 में करेगा। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने अदालत को बताया कि मामले में एक नया मीडिएटर (मध्यस्थ) सामने आया है और अभी तक कोई प्रतिकूल बात नहीं हुई है। कोर्ट ने कहा कि अगर इस बीच कोई नया डेवलपमेंट (घटनाक्रम) होता है तो अदालत से जल्द सुनवाई की मांग की जा सकती है। निमिषा के वकील ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार को डिप्लोमेटिक चैनल के जरिए यमन सरकार से बात करने और फांसी पर जल्द से जल्द रोक लगाने का आदेश दे। निमिषा को 2017 में यमन की अदालत ने फांसी की सजा सुनाई थी। उनकी फांसी 16 जुलाई 2025 को होनी थी, लेकिन इसे अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल ने केंद्र सरकार से एक प्रतिनिधिमंडल को यमन भेजने की अनुमति मांगी थी, ताकि यमन के कानून के अनुसार पीड़ित परिवार से क्षमादान (ब्लड मनी देकर) मिल सके। विदेश मंत्रालय ने यमन में गंभीर सुरक्षा जोखिमों (सशस्त्र संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता) का हवाला देते हुए प्रतिनिधिमंडल भेजने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश मामला : पायलट सुमीत के पिता पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, जांच पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया फ्लाइट एआई-171 क्रैश की जांच को लेकर मृत पायलट सुमीत सभरवाल के पिता पुष्कराज सभरवाल और इंडियन पायलट्स फेडरेशन ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि उन्हें एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की जांच पर अब भरोसा नहीं रहा, इसलिए इस मामले की कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए। याचिका में मांग की गई है कि जांच के लिए नई टीम गठित की जाए, जिसमें स्वतंत्र स्पेशलिस्ट और एविएशन एक्सपर्ट शामिल हों। याचिकाकर्ताओं ने यह भी अपील की है कि एएआईबी की मौजूदा जांच प्रक्रिया बंद की जाए और सभी सबूत सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में बनने वाली कमेटी को सौंपे जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर दिवाली के बाद सुनवाई करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की बोइंग 787-8 फ्लाइट एआई-171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इस भीषण हादसे में 270 लोगों की मौत हो गई थी। विमान के मुख्य पायलट सुमीत सभरवाल और को-पायलट क्लाइव कुंदर की भी घटना में मौत हो गई थी। यहां बताते चलें कि एएआईबी ने अपनी 12 जुलाई की प्रारंभिक रिपोर्ट में इस हादसे के लिए पायलट की गलती को जिम्मेदार बताया था। रिपोर्ट में कहा गया कि टेकऑफ के बाद फ्यूल कट-ऑफ स्विचेस बंद कर दिए गए थे, लेकिन कॉकपिट की ऑडियो रिकॉर्डिंग से यह स्पष्ट नहीं हो सका कि ऐसा क्यों हुआ। इस निष्कर्ष पर परिवार और पायलट संगठनों ने नाराजगी जताई थी। 91 वर्षीय पुष्कराज सभरवाल ने पहले ही केंद्र सरकार से हादसे की नई जांच की मांग की थी और एएआईबी की रिपोर्ट की निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे।

दिल्ली में दिवाली के बाद कृत्रिम बारिश की तैयारी, मौसम विभाग की मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में दिवाली से पहले ही वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। बुधवार को दिल्ली के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 के पार दर्ज किया गया था। बढ़ते प्रदूषण पर काबू पाने के लिए दिल्ली सरकार ने क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम बारिश की योजना तैयार कर ली है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि दिवाली के एक दिन बाद चुनिंदा इलाकों में कृत्रिम बारिश कराई जा सकती है। मौसम विभाग की हरी झंडी मिलते ही यह प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। सिरसा ने कहा कि ब्लास्टिंग या स्प्रे के जरिए क्लाउड सीडिंग का सैंपल टेस्ट किया जाएगा। हम बादलों के छाने का इंतजार कर रहे हैं। सभी तकनीकी और लॉजिस्टिक तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। मंत्री ने बताया कि इस अभियान के लिए दो पायलटों को चार दिन की विशेष ट्रेनिंग दी गई है। जैसे ही प्रक्रिया शुरू होगी, तीन घंटे में इसका असर दिखाई देने लगेगा। इस बीच, दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है। बुधवार को दिल्ली के 5 प्रमुख केंद्रों पर प्रदूषण का स्तर 300 से ऊपर दर्ज किया गया, इनमें आनंद विहार : 345, द्वारका सेक्टर-8ः 314, वजीरपुर : 325, सीआरआरआई मथुरा रोडः 307 और डीयू नॉर्थ कैंपस : 307 एक्यूआई दर्ज की गई। कुल मिलाकर, दिल्ली के 20 मॉनिटरिंग सेंटरों पर वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में और 13 केंद्रों पर 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज की गई।

ममता सरकार ने खांसी की सिरप की बिक्री और मार्केटिंग को लेकर नई गाइडलाइंस जारी की

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार के ड्रग कंट्रोल डायरेक्टोरेट ने राज्य में खांसी की सिरप की बिक्री और मार्केटिंग को लेकर नई गाइडलाइंस और निर्देश जारी किए हैं। यह फैसला जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने और भविष्य में किसी भी अनहोनी से बचने के लिए लिया गया है। यह कदम कोल्ड्रिफ नामक खांसी की सिरप पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद उठाया गया है। इस सिरप के सेवन से मध्यप्रदेश में बच्चों की मौत हुई थी, जिसके बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने भी प्रतिबंधित कर दिया था। मुख्य नई गाइडलाइंस के मुताबिक कोई भी दुकानदार/कंपनी किसी अन्य कंपनी द्वारा निर्मित दवा को अपने नाम से तब तक नहीं बेच सकेगी जब तक कि उनके पास उस कंपनी के साथ लिखित समझौता न हो। दवाओं की मार्केटिंग करने वाली कंपनियों को अब दवा की गुणवत्ता और कानूनी जिम्मेदारियों के लिए निर्माता कंपनी के साथ बराबर जिम्मेदार माना जाएगा। जो कंपनियाँ पश्चिम बंगाल के बाहर से दवाएँ बनवाकर यहाँ बेच रही हैं, उन्हें अपने निर्माण समझौते की एक कॉपी 15 दिनों के भीतर ड्रग कंट्रोल विभाग को आधिकारिक ईमेल पर जमा करनी होगी।

क्या नितिन गडकरी दोबारा से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे?

केंद्रीय मंत्री बोले- यह सवाल मुझसे नहीं वर्तमान अध्यक्ष से पूछो

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम मोदी सरकार को लेकर बड़ी बात कही है। गडकरी ने कहा कि 50 से 60 साल की तुलना में पिछले 11 साल में हर सेक्टर में जितना काम हुआ है, उससे कॉन्फिडेंस बढ़ा है। जब गडकरी से सवाल किया कि बीजेपी को अगला नेशनल प्रेसिडेंट मिलने में देरी क्यों हो रही है? क्या नितिन गडकरी दोबारा से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे? इसपर गडकरी ने कहा कि बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष से यह सवाल पूछा जा रहा है। गडकरी ने साफ कहा कि वे पार्टी के नेशनल प्रेसिडेंट बनने की दौड़ में नहीं हैं।

बता दें नितिन गडकरी पूर्व में भी बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। बीजेपी में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन होना है, लेकिन अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इस बाबत जब नितिन गडकरी से सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि आपको पूर्व के बजाय वर्तमान अध्यक्ष से इसके बारे में पूछना चाहिए। साथ ही उन्होंने पार्टी अध्यक्ष का पद फिर से संभालने की संभावना से इनकार कर दिया।

गडकरी ने साफ कहा कि वह बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनने जा रहे हैं। उन्होंने रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के सेक्टर में जबरदस्त काम किया है। सड़क निर्माण में नई तकनीक के इस्तेमाल को उन्होंने बढ़ावा दिया है। गडकरी पर कांग्रेस ने गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस के कई नेताओं का कहना है कि गडकरी पॉलिसी बनाते हैं और उनका बेटा प्रॉफिट कमाता है। विपक्षी दल का आरोप है कि इथेनॉल को लेकर बनाई गई नीति का सबसे ज्यादा फायदा गडकरी परिवार को मिला है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने आरोप का जवाब देते हुए कहा कि हमारे देश में 1400 करोड़ इथेनॉल सरकार खरीदती है। इथेनॉल आने से पहले हमारी शुगर फैक्ट्री थी। करीब 500 से 550 उद्योग इथेनॉल सप्लाई करते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इथेनॉल का टेंडर निकलता है और इसकी कीमत से जुड़े प्रपोजल को कैबिनेट पास करता है। गडकरी ने आगे कहा कि हमारे देश में 22 लाख करोड़ रुपए के फॉसिल फ्यूल (डीजल-पेट्रोल) का आयात होता है। वे इथेनॉल, मिथेनॉल, एलएनजी का प्रचार ग्रीन एनर्जी के लिहाज से करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गडकरी ने फॉसिल फ्यूल और एयर पॉल्यूशन के कनेक्शन पर कहा कि दिल्ली इसके बारे में बेहतर जानते हैं। दिल्ली में 40 फीसद प्रदूषण फॉसिल फ्यूल से होता है, जिससे लोगों की उम्र कम हो रही है। इसके साथ ही 22 लाख करोड़ रुपया देश की इकोनॉमी से बाहर जा रहा है। ऐसे में क्या भारत को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर नहीं बनना चाहिए? इथेनॉल से गाड़ियों के नुकसान होने के

आरोप को भी खारिज किया। उन्होंने इथेनॉल पॉलिसी से अपने परिवार को फायदा होने के आरोपों को खारिज कर दिया।

उत्तराखंड-हिमाचल में बर्फबारी शुरू, यूपी में दिखने लगा असर गिर रहा तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों खासकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी शुरू हो गई है। इसका असर यूपी में दिखने लगा है। प्रदेश में दिन और रात के तापमान में धीरे-धीरे गिरावट हो रही है। सुबह और रात के वक्त अब ठंडक महसूस होने लगी है और लोगों ने एसी-कूलर का इस्तेमाल बंद कर दिया है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक दिवाली के बाद से यूपी में ठंड और बढ़ सकती है। धीरे-धीरे तापमान में गिरावट आएगी और सर्द हवाएं अपना असर दिखाना शुरू करेंगी। लखनऊ के अमौसी स्थित आंचलिक मौसम केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक 16 अक्टूबर को पूरे यूपी में मौसम शुष्क रहेगा। बारिश या तेज हवाओं की कोई संभावना नहीं है। सभी 75 जिले ग्रीन जोन में हैं यानी किसी भी मौसम संबंधी अलर्ट की जरूरत नहीं है। गुरुवार को जिन जिलों में मौसम साफ और सामान्य रहने की संभावना है, उनमें शामिल हैं कानपुर, गाजियाबाद, मेरठ, प्रयागराज, प्रतापगढ़, आगरा, वाराणसी, अलीगढ़, झांसी, अमेठी, रायबरेली, सुल्तानपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, बलिया, गोरखपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, मिर्जापुर, चंदौली, जौनपुर, महराजगंज, बरेली, रामपुर, कन्नौज, इटावा, मैनपुरी, शामली आदि। मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि अब प्रदेश में उत्तर-पश्चिम दिशा से हल्की ठंडी हवाएं चल रही हैं। यही हवाएं धीरे-धीरे तापमान को नीचे ले जाएंगी। आने वाले दिनों में इसका असर ज्यादा दिखेगा और ठंड बढ़ेगी। प्रदेश के प्रमुख शहरों में सबसे कम तापमान कानपुर में दर्ज किया गया है। 16.0 डिग्री सेल्सियस। बीते 2-3 दिनों से यहां न्यूनतम तापमान लगातार इसके आसपास बना हुआ है, जबकि लखनऊ, अयोध्या, मेरठ, नोएडा, आगरा और झांसी में तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया है।

श्रीलंकाई पीएम अमरसूर्या बोलीं- देशों के बीच पुल बनाएं, दीवारें नहीं

-दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज में विद्यार्थियों को किया संबोधित

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या ने कहा, कि देशों के बीच दीवारें नहीं, पुल बनने चाहिए। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज में छात्रों को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने हिंदू कॉलेज में बतौर छात्र बिताए जीवन को भी याद किया। श्रीलंका की पीएम हरिनी अमरसूर्या ने कहा, कि हमें घरों, दफ्तरों और राष्ट्रों के बीच संवाद और सहयोग के पुल बनाने चाहिए, विभाजन की दीवारें नहीं खड़ी करनी चाहिए। यहां बताते चलें कि पीएम हरिनी अमरसूर्या हिंदू कॉलेज की पूर्व छात्रा रही हैं। उन्होंने अपने छात्र जीवन को याद करते हुए कहा, कि भारत में बिताए गए सालों ने उन्हें लोकतंत्र, विविधता और सह-अस्तित्व की समझ दी। कॉलेज की प्रिंसिपल अंजू श्रीवास्तव ने श्रीलंकाई पीएम का स्वागत किया। इस अवसर पर फैकल्टी सदस्य, छात्र और कई पूर्व छात्र भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री अमरसूर्या ने भारत की डिजिटल गवर्नेंस में हुई प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा, भारत ने यह दिखाया है कि डिजिटलाइजेशन किस तरह से शासन को पारदर्शी और जवाबदेह बना सकता है। श्रीलंका भारत के इस मॉडल का अध्ययन कर रहा है और इसे अपने देश में लागू करने की दिशा में विचार कर रहा है। दिल्ली प्रवास के दौरान उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की।

सीएम योगी आदित्यनाथ के दौरे से एनडीए की बढ़ जाएंगी मुश्किलें: पप्पू यादव

बिहार नफरत की भूमि नहीं, यह गुरु गोविंद, बुद्ध, लोहिया व शांति की धरती

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के बिहार दौरे पर तंज कसा। उन्होंने दावा किया कि योगी के दौरे से एनडीए की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। पप्पू यादव ने कहा कि बिहार नफरत की भूमि नहीं है। यह गुरु गोविंद, महात्मा बुद्ध, लोहिया, जेपी, महात्मा गांधी, बाल्मीकि, राष्ट्रकवि दिनकर, विद्यापति और राजेंद्र बाबू की धरती है, जो शांति और प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सीएम योगी को समझना चाहिए था कि बिहार नफरत की भूमि नहीं, शांति की भूमि है।

महागठबंधन में राजद और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे पर पप्पू यादव ने कहा कि कांग्रेस हमेशा अपने गठबंधन को मजबूत करती है और उसे सम्मान देती है। उन्होंने बताया कि गठबंधन की तैयारियां सुचारू रूप से चल रही हैं। उन्होंने कहा कि हम दो कदम पीछे हटकर गठबंधन को मजबूत करने को तैयार हैं, जिन्हें सीएम बनना है, उन्हें अहंकार छोड़ना होगा। हम सम्मान देने को तैयार हैं। सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर उन्होंने कहा कि वह नाराज नहीं हैं जल्द ही स्थिति साफ हो जाएगी। पप्पू यादव ने कांग्रेस को बिहार में मजबूत करने का भरोसा जताया।

उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस कहे कि पप्पू यादव कोहिनूर है, तो बिहार एक तरफ हो जाएगा। राहुल गांधी बस हमें आशीर्वाद दे दें। उन्होंने दावा किया कि महागठबंधन में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान चल रही है। उन्होंने कहा कि एनडीए में कोई दिल्ली जा रहा है, कोई नाराज चल रहा है। सीएम चेहरा को लेकर पप्पू यादव ने कहा कि एनडीए भी बिना सीएम चेहरे के चुनाव लड़ रही है, लेकिन उनसे कोई सवाल नहीं करता। उन्होंने कहा कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है, लेकिन चुनाव बाद क्या होगा, सभी को पता है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी इसके संकेत दे दिए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस की उम्मीदवार सूची पर पप्पू यादव ने

कहा कि एनडीए को उनकी चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि महागठबंधन में सब ठीक है और जल्द ही कांग्रेस अपने उम्मीदवारों की सूची करेगी।

कांग्रेस नेता का मोदी सरकार पर हमला...भारत सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की घोषणा ट्रंप कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा के दावे पर बढ़ते विवाद के बीच, वरिष्ठ कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने केंद्र पर कटाक्ष कर कहा कि भारत सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति करते है। कांग्रेस नेता रमेश ने बताया कि भारत सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप ने वाशिंगटन डीसी में की है। यहाँ से तारीफ, वहाँ से टैरिफ। कांग्रेस नेता रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद के समक्ष अमेरिकी व्यापार समझौते के बारे में विस्तृत जानकारी देने और बताने को कहा कि यह अभी तक क्यों नहीं हुआ है। रमेश ने कहा कि पीएम मोदी को बताना चाहिए कि रूस से तेल खरीदने के पीछे की सच्चाई क्या है? अमेरिकी व्यापार समझौता अभी तक क्यों नहीं हुआ है? उन्हें संसद को विश्वास में लेना चाहिए, आम सहमति बनाना चाहिए। हमारी विदेश नीति पूरी तरह विफल रही है। राज्यसभा सांसद रमेश ने ट्रंप द्वारा किए गए दावों पर पीएम मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया, जिनमें व्यापारिक धमकियाँ देकर भारत-पाकिस्तान युद्ध रोकना और यह दावा करना शामिल है कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। रमेश ने कहा, ट्रंप 51 बार दावा कर चुके हैं कि व्यापारिक धमकी देकर भारत-पाकिस्तान तनाव को कम करने के लिए वे ज़िम्मेदार हैं। दरअसल बुधवार को ट्रंप ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा था कि भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए, और भारत ने उन्हें आश्वासन दिया था कि वह रूस से तेल नहीं खरीदेगा।

वह सैलरी लेने तो आती ही हैं, लेकिन बैठक के लिए बनाती हैं प्रेग्नेंसी का बहाना

महिला अधिकारी को लेकर कांग्रेस विधायक ने दिया विवादित बयान, मचा बवाल

बैंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में चन्नागिरि से कांग्रेस विधायक शिवगंगा बसवराज ने एक प्रेग्नेंट वन अधिकारी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी है। उनके इस बयान का वीडियो वायरल हो गया। इसके बाद महिला अधिकार संगठनों ने विधायक को 'सेक्सिस्ट' बताते हुए उनकी कड़ी निंदा की। विपक्षी बीजेपी ने इसको लेकर कांग्रेस सरकार पर हमला बोला है। वहीं इस मामले में सत्तारूढ़ पार्टी ने चुप्पी साध ली है। घटना कर्नाटक विकास कार्यक्रम (केडीपी) की तिमाही समीक्षा बैठक की है, जो हाल ही में चन्नागिरि में हुई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वन रेंज अधिकारी श्वेता की अनुपस्थिति पर विधायक बसवराज भड़क गए। बैठक में उन्होंने कहा कि अगर वह गर्भवती हैं, तो छुट्टी ले लें। काम करने की क्या जरूरत है? वह तो सैलरी लेने आती ही हैं, लेकिन प्रेग्नेंसी को बैठक में आने का बहाना बना लेती है। शर्म आनी चाहिए। हर बार यही बहाना। इससे पहले बैठक में नहीं आने पर अधिकारी ने कहा था- मैं गर्भवती हूं, डॉक्टर के पास जा रही हूं।

रिपोर्ट के मुताबिक विधायक बसवराज ने तो यहां तक कह डाला कि अधिकारी रिश्वत लेने

आती हैं और उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। वीडियो में अन्य अधिकारी असहज दिखे, लेकिन किसी ने विरोध नहीं किया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। महिलाओं के अधिकार कार्यकर्ताओं ने इसे कांग्रेस सरकार में महिला सशक्तिकरण की खोखली बातों का पर्दाफाश बताया। एस यूजर ने लिखा- कांग्रेस पूरे देश में महिलाओं का अपमान करती है और फिर महिला सशक्तिकरण का लेक्चर देती है। यह पहली बार नहीं है जब बसवराज विवादों में घिरे हैं। अगस्त 2025 में उन्होंने सीएम सिद्धरमैया को बदलने पर बयान देकर पार्टी से शो-कॉज नोटिस पा चुके हैं। इससे पहले उन्होंने अप्रैल में जाति सर्वे पर लिंगायत मंत्रियों के इस्तीफे की मांग की थी, लेकिन इस बार का बयान महिलाओं से जुड़े होने के कारण ज्यादा संवेदनशील है। कार्यकर्ता मांग कर रहे हैं कि कांग्रेस विधायक को अयोग्य घोषित किया जाए। बीजेपी ने कहा कि सिद्धरमैया सरकार महिलाओं की सुरक्षा में नाकाम है। पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई ने ट्वीट किया- कांग्रेस का असली चेहरा सामने आ गया है।

अब केवल, बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिले बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में नक्सलवाद की जड़ों को समाप्त करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने पहले अगले वर्ष 31 मार्च तक की मियाद तय कर दी है। गृह मंत्रालय के आंकड़ें सफलता की कहानी बयां कर रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार, अब देश में नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या 6 से घटकर केवल 3 रह गई है। इनमें सिर्फ छत्तीसगढ़ का बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर में नक्सल बचे हैं। वर्ष 2025 में नक्सल विरोधी अभियानों ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। जिसके तहत 312 वामपंथी कैडर मार गिराए गए, जिनमें सीपीआई (माओवादी) के महासचिव और पोलित ब्यूरो/केंद्रीय समिति के 8 सदस्य शामिल हैं। कुल 836 नक्सली गिरफ्तार किए गए। 1639 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, इनमें भी 1 पोलित ब्यूरो सदस्य और 1 केंद्रीय समिति सदस्य शामिल रहे। यह आँकड़े साफ बताते हैं कि नक्सल संगठन का शीर्ष नेतृत्व और संरचना दोनों गहराई से कमजोर हुई है।

मोदी सरकार ने नक्सलवाद से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण

आधारित राष्ट्रीय कार्य योजना और नीति लागू की है जिसके तहत सटीक सूचनाओं के आधार पर सुरक्षा बलों द्वारा त्वरित डॉमिनेशन और सुदूर क्षेत्रों में पहुँच, शीर्ष नेताओं और ओवर ग्राउंड वर्कर्स को निशाना बनाना, नक्सली विचारधारा का मुकाबला और प्रचार-तंत्र को ध्वस्त करना, सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी ढांचे का तेज विकास, कल्याणकारी योजनाओं का गहन क्रियान्वयन, नक्सलियों की वित्तीय सप्लाई लाइन को पूरी तरह बंद करना, केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय के साथ माओवादी मामलों की त्वरित जांच और अभियोजन को प्रमुखता दी गई । उल्लेखनीय है कि वर्ष 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने नक्सलवाद को भारत की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती बताया था नक्सलियों ने नेपाल के पशुपति से लेकर आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक एक लाल गलियारा बनाने की योजना बनाई थी। वर्ष 2013 में नक्सल-संबंधी हिंसा 126 जिलों में रिपोर्ट हुई थी। मार्च 2025 तक यह संख्या घटकर 18 जिलों तक रह गई और इनमें से केवल 6 ही सबसे अधिक प्रभावित की श्रेणी में थे। अब 2025 के अंत तक यह आंकड़ा और घटकर सिर्फ 3 सबसे अधिक प्रभावित जिले रह गया है।

बिल में छुपा मसूद अजहर... आंतकियों को मनोबल बढ़ने संगठन उसके एआई वीडियो प्रसारित कर रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंतकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेम) का सरगना मसूद अजहर ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान में किसी बिल में छिपा हुआ है। भारतीय सशस्त्र बलों ने आपरेशन सिंदूर के दौरान उसके संगठन को बड़ा नुकसान पहुँचाया है और उसके कई करीबी लोग (जिसमें उसका भाई रऊफ अजगर भी शामिल है) ऑपरेशन में मारे गए हैं। जिसके बाद से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर मसूद अजहर डर के मारे किसी बिल में छुप गया है। दरअसल पाकिस्तानी सेना और आईएसआई भी चाहती हैं कि आंतकी मसूद अभी बिल में छुप रहे। क्योंकि भारतीय खुफिया एजेंसी की नजर आंतकी अजहर पर है। लेकिन आंतकी अजहर की इस चुप्पी ने जेम कार्यकर्ताओं को बेचैन कर दिया है और वे नेतृत्व की कमी महसूस कर रहे हैं।

पहले, अजहर के छिपने पर उसका भाई रऊफ अजगर संगठन का प्रभार लेता था, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर में अजगर भी मारा गया। अब, वैचारिक प्रमुख अजहर और ऑपरेशन प्रमुख अजगर दोनों की अनुपस्थिति में कार्यकर्ताओं का संगठन पर से विश्वास उठ रहा है। इसके लिए कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखने के लिए, जेम नई शाखाएं खोलने और अन्य गतिविधियां शुरू करने की खबरें फैला रहा है। वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके अजहर की तस्वीरें और वीडियो बनाकर प्रसारित कर रहे हैं, ताकि कार्यकर्ताओं को यह विश्वास दिलाया जा सके कि उनका मुखिया सुरक्षित है। आंतकी संगठन को लगाता हैं कि इसतरह के प्रयास यदि सफल होते हैं तब भविष्य में संगठन को पुर्नजीवित किया जा सकता है। इसलिए अपने आंतकियों को एकजुट रखने के लिए जैश-ए-मोहम्मद अब एआई तकनीक का उपयोग कर रहा है। वहीं भारतीय एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि जैश-ए-मोहम्मद कोई बड़ा हमला नहीं करेगा, लेकिन दुष्प्रचार वीडियो का प्रसार बढ़ा सकता है। जैश-ए-मोहम्मद के कमजोर होने और नेतृत्व की कमी से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष बढ़ने का डर है। कई जैश-ए-मोहम्मद कार्यकर्ता तालिबान के साथ पाकिस्तान के बिगड़ते संबंधों से भी नाखुश हैं, जिससे दलबदल का खतरा बढ़ गया है। वहीं पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई जैश-ए-मोहम्मद के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए भारत पर बड़ा हमला करने का विचार कर सकता है, लेकिन यह बहुत जोखिम भरा है क्योंकि उन्हें पता है कि भारत सरकार इसतरह के किसी भी दुस्साहस का कड़ा जवाब देगी।

संपादकीय

भारत एआई का गढ़

भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का गढ़ बनने जा रहा है। यही आकलन करने के बाद गूगल ने आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम में एआई का डाटा सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। यह डाटा केंद्र, अमरीका से बाहर, सबसे बड़ा केंद्र होगा। गूगल ने आगामी पांच सालों में 15 अरब डॉलर खर्च करने का ऐलान राजधानी दिल्ली में आयोजित एक मेगा इवेंट में किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू आदि इस मेगा आयोजन में उपस्थित रहे। गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कूरियन ने खुलासा किया कि आज 14, 000 से अधिक भारतीय गूगल के साथ जुड़े हैं और गूगल की 5 एआई लैब्स पहले से ही भारत में सक्रिय हैं। विशाखापट्टनम का केंद्र गूगल के संपूर्ण एआई सिस्टम का हिस्सा होगा, जो भारत में क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डाटा सॉल्यूशंस और एआई मॉडल्स को तेजी से स्केल करेगा। गूगल के थॉमस ने यह स्पष्ट घोषणा की कि भारत अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि एआई नवाचार का जेनरेटर बन रहा है। ह्न भारत में अदाणी समूह के साथ मिल कर यह एआई केंद्र बनाया जाएगा। गूगल का इतना बड़ा निर्णय भारतीय बाजार और भारत में एआई को ग्रहण करने की संभावनाओं की ताकत को सत्यापित करता है। भारत सरकार ने एआई मिशन के लिए 5 साल के दौरान 10, 300 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित की है। उसके तहत 38, 000 ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) लगाई गई हैं। प्रौद्योगिकी और एआई पारिस्थितिकी तंत्र में करीब 60 लाख लोग कार्यरत हैं। इस साल प्रौद्योगिकी क्षेत्र का राजस्व 280 अरब डॉलर को पार कर सकता है। भारत की अर्थव्यवस्था में 2035 तक एआई 1.7 ट्रिलियन डॉलर जोड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय डाटा कॉरपोरेशन के मुताबिक, भारत का एआई बाजार 2025 में करीब 8 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। दरअसल भारत विश्व में सबसे बड़ा ऐसा देश और समाज है, जो अभी से एआई के साथ परिवर्तन लाने को उत्साहित है। विशाखापट्टनम को इसलिए चुना गया है, क्योंकि आंध्रप्रदेश की राजधानी रहते हुए हैदराबाद को ह्यसाइबर सिटीह्न का विशेषण मिला था। तेलंगाना के गठन के बाद समीकरण बदले। अब हैदराबाद उसकी राजधानी है, लिहाजा आंध्र के विशाखापट्टनम को गूगल की विराट परियोजना के लिए चुना गया। यहां गूगल के विकास और बढ़ोतरी की अपार क्षमताएं हैं, क्योंकि रणनीतिक तौर पर यह क्षेत्र एआई की रीढ़ है।

चिंतन-मनन

भक्त के भीतर रहते हैं कृष्ण

जब भगवान चैतन्य बनारस में हरे कृष्ण महामंत्र के कीर्तन का प्रवर्तन कर रहे थे, तो हजारों लोग उनका अनुसरण कर रहे थे।

तत्कालीन बनारस के अत्यंत प्रभावशाली और विद्वान प्रकाशानंद सरस्वती उनको भावुक कहकर उनका उपहास करते थे। कभी-कभी भक्तों की आलोचना दार्शनिक यह सोचकर करते हैं कि भक्तगण अंधकार में हैं और दार्शनिक दृष्टि से भोले-भाले भावुक हैं, किंतु यह तथ्य नहीं है। ऐसे अनेक बड़े-बड़े विद्वान पुरुष हैं, जिन्होंने भक्ति का दर्शन प्रस्तुत किया है। किंतु यदि कोई भक्त उनके इस साहित्य का या अपने गुरु का लाभ न भी उठाए और यदि वह अपनी भक्ति में एकनिष्ठ रहे, तो उसके अंतर से कृष्ण स्वयं उसकी सहायता करते हैं।अतः कृष्णभावनामृत में रत एकनिष्ठ भक्त ज्ञानरहित नहीं हो सकता। इसके लिए इतनी ही योग्यता चाहिए कि वह पूर्ण कृष्णभावनामृत में रहकर भक्ति संपन्न करता रहे।

आधुनिक दार्शनिकों का विचार है कि बिना विवेक के शुद्ध ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। उनके लिए भगवान का उत्तर है- जो लोग शुद्धभक्ति में रत हैं, भले ही वे पर्याप्त शिक्षित न हों तथा वैदिक नियमों से पूर्णतया अवगत न हों, किंतु भगवान उनकी सहायता करते ही हैं। भगवान अजरुन को बताते हैं कि मात्र चिंतन से परम सत्य भगवान को समझ पाना असंभव है, क्योंकि भगवान इतने महान हैं कि कोरे मानसिक प्रयास से उन्हें न तो जाना जा सकता है, न ही प्राप्त किया जा सकता है। भले ही कोई लाखों वर्षो तक चिंतन करता रहे, किंतु यदि भक्ति नहीं करता, यदि वह परम सत्य का प्रेमी नहीं है, तो उसे कभी भी कृष्ण या परम सत्य समझ में नहीं आएंगे।परम सत्य, कृष्ण, केवल भक्ति से प्रसन्न होते हैं और अपनी अचिंत्य शक्ति से वे शुद्ध भक्त के हृदय में स्वयं प्रकट हो सकते हैं।शुद्धभक्त के हृदय में तो कृष्ण निरंतर रहते हैं और कृष्ण की उपस्थिति सूर्य के समान है, जिसके द्वारा अज्ञान का अंधकार तुरंत दूर हो जाता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

पराली जलाने की आग में झुलसता उत्तर भारत

डॉ. प्रियंका सौरभ

हर वर्ष जब धान की कटाई का मौसम आता है, तब पंजाब और हरियाणा के खेतों से उठने वाला धुआँ आसमान को धुंध से भर देता है। यह केवल खेतों की आग नहीं होती, बल्कि भारत की कृषि नीति, आर्थिक असमानता और पर्यावरणीय असंतुलन की जलती हुई तस्वीर होती है। दिल्ली तथा उसके आस-पास के क्षेत्र इस धुएँ से ढक जाते हैं और वायु गुणवत्ता अत्यंत गंभीर स्तर तक पहुँच जाती है। कानूनी रूप से पराली जलाना प्रतिबंधित है, फिर भी किसान इसे हर साल दोहराते हैं क्योंकि इसके पीछे अनेक सामाजिक और आर्थिक कारण जुड़े हैं।

पराली जलाने का मूल कारण खेतों में बचा हुआ धान का ठूँठ होता है। जब धान की फसल कट जाती है, तब खेत में रह गए अवशेष को हटाने के लिए किसानों के पास न समय होता है न साधन। पंजाब और हरियाणा की कृषि व्यवस्था मुख्य रूप से धान और गेहूँ पर आधारित है। सन् 1960 के दशक की हरित क्रांति ने इन राज्यों को देश का अन्न भंडार तो बना दिया, परंतु कृषि को एकरूपी और जल-प्रधान भी बना दिया। भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए सन् 2009 में पंजाब में 'उप-जल संरक्षण अधिनियम' लागू किया गया, जिसके अंतर्गत धान की रोपाई जून के अंत तक करने का निर्देश दिया गया ताकि मानसूनी वर्षा का लाभ लिया जा सके। परिणामस्वरूप धान कटाई और गेहूँ की बुवाई के बीच केवल दस से बीस दिन का अंतर रह गया। इतने कम समय में किसान पराली को एकत्रित या सड़ाकर खेत तैयार नहीं कर सकते, इसलिए वे सबसे तेज और सस्ता उपाय-जलाना-चुन लेते हैं।

दूसरा बड़ा कारण आर्थिक है। पराली हटाने या निपटाने के लिए जो मशीनें चाहिए-जैसे सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली, हैप्पी सीडर, बेलर या रोटावेटर-वे अत्यंत महँगी हैं। छोटे और सीमांत किसान जिनकी जोत तीन हेक्टेयर से भी कम है, वे इन मशीनों को खरीदने या किराए पर लेने में असमर्थ हैं। उदाहरण के लिए, हैप्पी सीडर का किराया लगभग दो से तीन हजार रुपये प्रति एकड़ पड़ता है, जबकि पराली जलाने में केवल माचिस और थोड़े डीजल का खर्च आता है। यही व्यावहारिकता इस समस्या को गहराई तक जकड़े हुए है।

तीसरा कारण पराली का कम उपयोग मूल्य है। पंजाब और हरियाणा में बोई जाने वाली अधिकतर धान की किस्में साधारण होती हैं, जिनमें सिलिका की मात्रा अधिक होती है। ऐसी पराली पशु चारे के रूप में प्रयोग योग्य नहीं होती और न ही इससे जैव ईंधन या खाद आसानी से बनाई जा सकती है। पूर्वी भारत के राज्यों में धान की पराली पशुओं के चारे के रूप में प्रयोग में आती है, परंतु पंजाब-हरियाणा में यह उपयोग सीमित है। इसीलिए यहाँ पराली किसानों के लिए किसी आर्थिक लाभ का साधन नहीं बन पाती।

चौथा कारण है श्रम की कमी और जोत का विखंडन। प्रवासी मजदूरों की संख्या घट रही है, और छोटे खेतों में मशीनरी लगाने की क्षमता नहीं है। समय की कमी और श्रमिकों के अभाव में किसान अगली फसल बोने की जल्दी में पराली को जला देते हैं।

सामाजिक दृष्टि से भी पराली जलाना वर्षों से एक स्वीकृत प्रक्रिया बन चुकी है। किसानों को यह लगता है कि खेत की सफाई का यही सबसे आसान और पारंपरिक तरीका है। कानूनों और जुमार्नों के बावजूद यह प्रथा इसलिए जारी है क्योंकि प्रवर्तन ढीला है और राजनीतिक दबावों के कारण प्रशासन कठोर कार्रवाई नहीं कर पाता। वर्ष 2023 में पंजाब में लगभग साठ हजार पराली जलाने की घटनाएँ दर्ज की गईं, जबकि जुमार्ना और निगरानी दोनों व्यवस्था में थे।

अब प्रश्न यह है कि इस समस्या का स्थायी समाधान क्या हो सकता है?

स्पष्ट है कि केवल प्रतिबंध या दंड इस समस्या को समाप्त नहीं कर सकते। आवश्यक है कि ऐसी रणनीति अपनाई जाए जो किसान की आजीविका और पर्यावरण संरक्षण दोनों को साथ लेकर चले।

पहला समाधान है फसल विविधीकरण। पंजाब और हरियाणा की भूमि लगातार धान-गेहूँ चक्र से थक चुकी है। जल स्तर भी नीचे जा रहा है। अतः मक्का, दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इन फसलों के लिए यदि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य, बीमा सुरक्षा और निश्चित खरीद सुनिश्चित करे तो किसान धीरे-धीरे धान पर निर्भरता कम कर सकते हैं। हरियाणा की 'भावांतर भरपाई योजना' इस दिशा में एक अच्छा उदाहरण है, जिसमें किसानों को मूल्य अंतर की भरपाई दी जाती है।

दूसरा समाधान है यंत्रीकरण और साझा संसाधन। किसानों को मशीनें साझा उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जाएँ। पंचायत या सहकारी समितियों के स्तर पर 'कस्टम हायरिंग केंद्र' स्थापित हों, जहाँ से किसान कम किराए पर हैप्पी सीडर या सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली जैसी मशीनें ले सकें। केंद्र सरकार की 'फसल अवशेष प्रबंधन योजना' के अंतर्गत पंजाब और हरियाणा में एक लाख से अधिक मशीनें बाँटी गई हैं, पर इनकी पहुँच सभी किसानों तक नहीं हो पाई है। यदि हर गाँव में सामुदायिक यांत्रिक केंद्र बने, तो किसान पराली जलाने से बचेंगे।

तीसरा उपाय है पराली का औद्योगिक उपयोग। पराली को कचरा न मानकर एक संसाधन के रूप में देखा जाए। इससे जैव ऊर्जा, एथेनॉल, कागज, पैकेजिंग और निर्माण सामग्री तैयार की जा सकती है। उदाहरण के लिए, भारतीय तेल निगम की पानीपत जैव रिफाइनरी प्रतिवर्ष लगभग दो लाख टन पराली से एथेनॉल बनाती है। यदि इस प्रकार की परियोजनाएँ हर जिले में स्थापित हों तो पराली किसानों के लिए आय का स्रोत बनेगी और जलाने की आवश्यकता कम होगी। सरकार को परिवहन सहायता, खरीद अनुबंध और स्थायी बाजार उपलब्ध कराने की नीति बनानी चाहिए।

चौथा कदम होना चाहिए कृषि-पर्यावरणीय समय निर्धारण। धान की छोटी अवधि वाली किस्में जैसे पी.आर.-126 या डी.आर.आर. धान-44 अपनाने से किसानों को फसल कटाई और बुवाई के बीच कुछ अतिरिक्त दिन मिल सकते हैं। इस समय का उपयोग पराली प्रबंधन में किया जा सकता है। इसके साथ-साथ परिशुद्ध कृषि यानी सटीक तकनीकी साधनों का प्रयोग, जल-सिंचाई प्रणाली में सुधार और जैविक खाद उपयोग से भी पर्यावरणीय लाभ मिलेगा।

पाँचवाँ, सामुदायिक प्रोत्साहन और जनजागरूकता। पराली न जलाने वाले किसानों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाए, गाँव स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित हो और 'शून्य दहन ग्राम' घोषित किए जाएँ। दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में 'पुसा डीकंपोजर' नामक जैविक घोल के प्रयोग से पराली को खेत में ही खाद में बदला जा रहा है। यदि इस तकनीक को बड़े पैमाने पर अपनाया जाए तो पराली जलाने की आवश्यकता नहीं बचेगी।

छठा, प्रशासनिक तालमेल और नीति-समन्वय। केंद्र तथा राज्य सरकारों के बीच सामंजस्य होना चाहिए ताकि कृषि, पर्यावरण और ऊर्जा विभाग एक साझा योजना के अंतर्गत काम करें। पराली प्रबंधन को ग्रामीण रोजगार योजना, जैव ऊर्जा मिशन और जलवायु परिवर्तन कार्यक्रमों से जोड़ा जा सकता है। उदाहरण के लिए, मनरेगा के अंतर्गत पराली एकत्रीकरण या जैव खाद इकाइयों में कार्य को रोजगार से जोड़ा जा सकता है।

सातवाँ, शहरी-ग्रामीण सहभागिता भी इस दिशा में उपयोगी होगी। दिल्ली जैसे महानगर जहाँ प्रदूषण का सबसे अधिक प्रभाव होता है, उन्हें अपने सामाजिक उत्तरदायित्व निधि के माध्यम से पंजाब-हरियाणा के किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए। इससे प्रदूषण के स्रोत और पीड़ित क्षेत्र के बीच साझा जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी। इसके साथ-साथ तकनीकी निगरानी प्रणाली को भी सशक्त बनाना चाहिए।

महाराष्ट्र और जम्मू कश्मीर के बाद बिहार- राहुल गांधी इंडिया गठबंधन को संभाल क्यों नहीं पा रहे हैं?

संतोष कुमार पाठक

2024 के लोकसभा चुनाव में सहयोगी दलों की मदद से कांग्रेस पार्टी ने बीजेपी को कड़ी टक्कर दी। तत्कालीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लड़ने के लिए राहुल गांधी ने उस यूपीए के नाम को भी त्याग दिया जिसके बैनर तले कांग्रेस ने वर्ष 2004 से 2014 तक देश में राज किया था। लोकसभा चुनाव से पहले यूपीए की जगह पर राहुल गांधी ने सहयोगी दलों के साथ मिलकर एक नया मोर्चा बनाया जिसे इंडिया गठबंधन का नाम दिया गया।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद सहयोगी दलों के समर्थन के बल पर नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री तो बन गए लेकिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार विपक्षी गठबंधन को इतनी ज्यादा सीटें दिलाने का श्रेय लेकर कांग्रेस ने राहुल गांधी को सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित करने का प्रयास किया। कुछ हद तक कांग्रेस को अपने इस अभियान में कामयाबी मिलती भी दिखाई दी। वोट चोरी का अभियान चला कर और बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाल कर राहुल गांधी अपने आपको विपक्षी इंडिया गठबंधन के नेता के तौर पर स्थापित करने में थोड़े बहुत कामयाब होते भी दिखाई दिए।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा मुखिया अखिलेश यादव से लेकर तमिलनाडु के वर्तमान मुख्यमंत्री एवं डीएमके सुप्रीमो स्टालिन तक से उनके व्यक्तिगत संबंध मजबूत होते नजर आए। जम्मू कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव जीतने में राहुल गांधी और नेशनल कांफ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला की व्यक्तिगत केमिस्ट्री का जबरदस्त योगदान माना जाता है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने तो खुलकर राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार तक बता दिया।

लेकिन इन सबके बावजूद अचानक देश की राजनीति तेजी से बदलती हुई नजर आने लगी है। जम्मू कश्मीर में राज्यसभा सीट और विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस आमने-सामने आ गए है। जम्मू कश्मीर से राज्यसभा सांसदों के लिए होने वाले चुनाव में उमर अब्दुल्ला की पार्टी ने तीनों सेफ सीट पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं और कांग्रेस को जो चौथी सीट ऑफर की है, उसे जीतना बहुत मुश्किल है। कांग्रेस पहले से ही इसे लेकर अपने सहयोगी दल से नाराज चल रही है वहीं अब विधानसभा की जिन 2 सीटों पर उपचुनाव होना है, उसे लेकर भी मामला फंसता हुआ ही नजर आ रहा है। राज्य में विधानसभा की 2 सीटों- बडगाम और नगरोटा में 11 नवंबर को चुनाव होना है। जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा ने उमर अब्दुल्ला की पार्टी पर गठबंधन के सिद्धांतों का अनादर करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह राज्यसभा की एक सेफ सीट देने के अपने वादे से मुकर गई। कांग्रेस ने गठबंधन धर्म की याद दिलाते हुए सख्त शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है कि या तो नेशनल कांफ्रेंस उन्हें विधानसभा की एक सीट दे या फिर कांग्रेस दोनों ही सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार देगी।

महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव के समय से ही शुरू हुई खटास कम होने का नाम नहीं ले रही है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद मोदी सरकार द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर और दुनिया भर में भेजे गए सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को लेकर एनसीपी और कांग्रेस के सुर अलग-अलग तो नजर आए ही। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के जेल जाने के बाद इस्तीफे की बाध्यता वाले बिल पर गठित की जाने वाली जेपीसी में शामिल नहीं होने को लेकर भी कांग्रेस इंडिया गठबंधन में शामिल सहयोगी दलों को अपने साथ ला पाने में नाकामयाब होती नजर आ रही है।

वहीं बिहार का मामला तो राहुल गांधी के नेतृत्व की स्वीकार्यता को लेकर सबसे बड़ा झटका साबित होता हुआ नजर आ रहा है। एक तरफ आरजेडी है जिसके नेता तेजस्वी यादव ने खुल कर राहुल गांधी की प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का समर्थन कर दिया है तो वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी है जो लगातार पूछे जाने के बावजूद भी तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं कर रहे हैं। जबकि राजनीतिक सच्चाई तो यही है कि बिहार में विपक्षी गठबंधन में आरजेडी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। कांग्रेस और आरजेडी में सीटों के बंटवारे को लेकर भी घमासान मचा हुआ है। सहयोगी दलों के साथ कांग्रेस की यह खींचतान और महत्वपूर्ण मौकों पर राहुल गांधी की गैरमौजूदगी उनके नेतृत्व पर ही सवालिया निशान लगाती नजर आती है। पता नहीं राहुल गांधी इस तथ्य को समझ पा रहे हैं या नहीं और इससे भी बड़ा सवाल यह कि आखिर राहुल गांधी को इस तरह की सलाह कौन देता है कि उन्हें दिल्ली में होने के बावजूद तेजस्वी यादव से मुलाकात नहीं करनी चाहिए। केसी वेणुगोपाल और तेजस्वी यादव की जगह पर अगर राहुल सीधे तेजस्वी के साथ बैठकर बात करते तो शायद मामला इतना उलझता नहीं।

गरीबी है मानवता के भाल पर बड़ा कलंक

विश्व समुदाय हर वर्ष 17 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस के रूप में मनाता है। यह दिन केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि मानवता के समक्ष खड़ी सबसे बड़ी चुनौती पर मंथन का अवसर है। सभ्यता के विकास, तकनीकी प्रगति, आर्थिक विस्तार और वैश्विक व्यापार के बावजूद आज भी करोड़ों लोग रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित हैं। गरीबी एक आर्थिक स्थिति मात्र नहीं है, यह मनुष्य की गरिमा पर सबसे बड़ा आघात है-यह उसके सपनों, आत्मविश्वास और अस्तित्व को कुचलने वाला सामाजिक अभिशाप है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1992 में गरीबी को खत्म करने के प्रयासों और संवाद को बढ़ावा देने के लिए इस दिन की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य गरीबी में जी रहे लोगों के संघर्ष को स्वीकार करना और गरीबी के विभिन्न आयामों, जैसे कि आय की कमी, स्वास्थ्य और शिक्षा तक पहुँच की कमी आदि को संबोधित करना है। 2025 की थीम 'परिवारों के लिए सम्मान और प्रभावी समर्थन सुनिश्चित करके सामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार को समाप्त करना' है। इस दिवस का उद्देश्य गरीबी और इसके कारणों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, तथा गरीबी से जूझ रहे लोगों की समस्याओं को उजागर करना है।

आज दुनिया में लगभग सत्तर करोड़ लोग अत्यंत गरीबी में जीवन बिता रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य है कि 2030 तक अत्यंत गरीबी का अंत किया जाए, परंतु यह लक्ष्य अभी भी दूर प्रतीत होता है। युद्ध, जलवायु परिवर्तन, असमान आर्थिक नीतियाँ, जनसंख्या वृद्धि और बेरोजगारी ने गरीबी को नया रूप दिया है। अब गरीबी केवल रोटी की कमी नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता और सामाजिक अन्याय का भी प्रतीक बन चुकी है। अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन कहते हैं-'गरीबी केवल आय का प्रश्न नहीं है, यह स्वतंत्रता की कमी है।' अर्थात जब किसी व्यक्ति के पास अपने जीवन को अपनी इच्छा के अनुसार ढालने के अवसर नहीं होते, तभी वास्तविक गरीबी जन्म लेती है। भारत ने पिछले कुछ दशकों में गरीबी घटाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। नीति आयोग के अनुसार, 2013-14 में जहाँ देश की 29 प्रतिशत आबादी बहुआयामी गरीबी में थी, वहीं 2019-21 तक यह घटकर लगभग 11 प्रतिशत रह गई। परंतु यह सफलता पूर्ण नहीं कही जा सकती, क्योंकि गरीबी का असर ग्रामीण इलाकों, दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर अभी भी अधिक है। गरीबी का सबसे बड़ा प्रभाव शिक्षा और स्वास्थ्य पर पड़ता है-जहाँ गरीब बच्चे स्कूल छोड़ने पर मजबूर होते हैं, वहीं परिवार बीमारी का खर्च नहीं उठा पाते। यह चक्र दर चक्र उन्हें फिर गरीबी में धकेल देता है। आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार देना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। वर्ष 2005 से 2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी उन्मूलन के लिये उल्लेखनीय एवं सफलतम उपक्रम किये हैं, उन्होंने गरीबी को राष्ट्र निर्माण की केंद्र बिंदु नीति के रूप में प्रस्तुत किया। उनके नेतृत्व में सरकार ने गरीबी के खिलाफ लड़ाई को केवल कल्याण योजनाओं तक सीमित न रखकर आत्मनिर्भरता के आंदोलन में बदल दिया। जनधन-आधार-मोबाइल ट्रिनिटी ने गरीबों को औपचारिक बैंकिंग से जोड़ा, जिससे पारदर्शिता बढ़ी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से करोड़ों परिवारों को सीधा लाभ मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीबों के सिर पर छत का सपना साकार किया और अब तक चार करोड़ से अधिक घरों का निर्माण हुआ है। उज्ज्वला योजना ने गरीब महिलाओं को धुएं से मुक्त जीवन दिया और यह योजना केवल गैस सिलेंडर नहीं, बल्कि समानता और सम्मान का प्रतीक बनी। आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने महामारी के कठिन दौर में गरीबों को सुरक्षा कवच दिया, वहीं आत्मनिर्भर भारत अभियान ने गरीबी उन्मूलन का दीर्घकालिक रास्ता रोजगार, कौशल और स्वाभिमान के माध्यम से खोला। प्रधानमंत्री का यह कथन इस दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है-'गरीबी को खत्म करने के लिए सरकार नहीं, समाज को भी संवेदनशील बनना होगा। जब हर गरीब का सपना हमारा सपना बनेगा, तभी समृद्ध भारत बनेगा।'

गरीबी केवल सरकारी योजनाओं से नहीं मिटेगी; इसके लिए एक व्यापक मानव-केंद्रित सोच की आवश्यकता है। शिक्षा को अधिकार नहीं, अवसर बनाना होगा, हर व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण मिलना चाहिए। समान आर्थिक अवसरों की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि शहरी और ग्रामीण भारत के बीच की खाई घटे। पूंजी का उद्देश्य केवल मुनाफा नहीं, बल्कि सामाजिक कल्याण भी होना चाहिए। साथ ही, महात्मा गांधी के शब्दों में, 'गरीबी सबसे बड़ी हिंसा है'-यह भावना हमारे सामाजिक चरित्र में उतरनी चाहिए। जब तक समाज करुणा और साझेदारी की भावना नहीं अपनाएगा, तब तक गरीबी का अंत संभव नहीं। भारत आज गरीबी उन्मूलन का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत कर रहा है-जहाँ विकास का अर्थ केवल जीडीपी नहीं, बल्कि गरीब का उत्थान है। यह संदेश दुनिया के लिए भी प्रेरणा है कि यदि सबसे बड़ा लोकतंत्र करोड़ों लोगों को गरीबी से ऊपर उठा सकता है, गरीब मुक्त भारत के सपने को आकार दे सकता है तो वैश्विक समुदाय भी एकजुट होकर यह कर सकता है। गरीबी केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, यह मानवता की परीक्षा है। जब तक दुनिया के किसी कोने में कोई व्यक्ति भूखा सोएगा, तब तक सभ्यता का विकास अधूरा रहेगा। अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि 'सच्ची प्रगति वही है, जिसमें समाज के सबसे आखिरी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान हो।' आज आवश्यकता है एक वैश्विक संकल्प की-'गरीबी नहीं, समानता हमारा धर्म बने।' जब हर राष्ट्र, हर समाज और हर व्यक्ति इस दिशा में जिम्मेदारी निभाएगा, तभी वह दिन आएगा जब गरीबी इतिहास का विषय होगी, वर्तमान का नहीं।

गरीबी व्यक्ति को बेहतर जीवन जीने में अक्षम बनाता है। गरीबी के कारण व्यक्ति को जीवन में शक्तिहीनता और आजादी की कमी महसूस होती है। गरीबी उस स्थिति की तरह है, जो व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार कुछ भी करने में अक्षम बनानी है। गरीबी ऐसी त्रासदी एवं दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति है जिसका कोई भी अनुभव नहीं करना चाहता। एक बार महात्मा गांधी ने कहा था कि गरीबी कोई दैवीय अभिशाप नहीं है बल्कि यह मानवजाति द्वारा रचित सबसे बड़ी समस्या है। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए। यहां प्रश्न है कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? जो शिष्य को अच्छे-बुरे का भेद न बता सके, वह गुरु कैसा?

गांधी, विनोबा एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 'अन्त्योदय' एवं 'सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया। जे. पी. ने जाति धर्म से राजनीति को बाहर निकालने के लिए 'संपूर्ण क्रांति' का नारा दिया। जो उनको दी गई श्रद्धांजलि के साथ ही समाप्त हो गया। 'गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। स्थिति ने बल्कि नया मोड़ लिया है कि जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते हैं, वे सत्ता प्राप्त कर सकते हैं। कैसे समतामूलक एवं संतुलित समाज का सुनहरा स्वप्न साकार होगा? कैसे मोदीजी का नया भारत निर्मित होगा?

मिशन शक्ति 5 के अंतर्गत जनपद भर में महिला सुरक्षा, गुड टच, बेड टच के बारे में दी गई जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्यमंत्री उ0प्र0 शासन योगी आदित्यनाथ द्वारा महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन एवं नोडल अधिकारी मिशन शक्ति फेज-5.0 अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में गुरुवार को महिला थाना म0का0 प्रिया, पीसी बबली द्वारा मिशन शक्ति फेज-5.0 के अंतर्गत चलाये गये अभियान में बटवाल तिराहा, टीपी नगर तिराहा, थाना अमरोहा देहातम0का0 रचना,म0का0 पूनम सैनी द्वारा थाना अमरोहा देहात फेज-5 अभियान के तहत ग्राम दयदरा व रोडवेज बस स्टैण्ड, बम्बूगढ तिराहा, थाना सैदनगली उ0नि0 आकाश कुमार , म0हे0का0 नीतु गंगवार, म0हे0का0 संतोष द्वारा इन्दिरा मेमोरियल इंटर कालेज कस्बा सैदनगली , मैन मार्केट कस्बा उझारी व कस्बा सैदनगली ,मोहल्ला टीपू चौक पकवाड़ा तिराहा, घंटाघर चौराहा, थाना नौगावां सादात व0उ0नि0 नरेन्द्र सिंह, उ0नि0 रानी यादव, म0का0 ममता राजपूत, म0का0 स्वाति सिंह द्वारा थाना नौगावां सादात क्षेत्रान्तर्गत स्कूल के बाहर व भीड भाड वाले स्थानों पर, थाना डिडौली मिशन शक्ति टीम थाना डिडौली द्वारा डब्लयूटीएम इंटर कॉलेज में, थाना गजरौला म0का0 दीपिका , म0आ0 निशा चौधरी द्वारा आदर्श इंटर पब्लिक स्कूल गजरौला व रामशरण दास स्मारक इंटर कॉलेज ग्राम सलेमपुर गोसाई, महिला थाना गजरौला उ0नि0 कृष्णा दाहिमा, थानाध्यक्ष प्रिया रानी व म0का0 आशा पाल द्वारा मोहल्ला अतरपुरा, मोहल्ला फाजलपुर में, थाना हसनपुर उ0नि0 नेहा नेहरा, म0का0 प्रियंका व म0का0 पूजा म0का0 डोली, म0का0 नीता द्वारा कस्बे में, थाना आदमपुर मिशन शक्ति टीम आदमपुर द्वारा ग्राम कोकापुर में, थाना रहरा वरिष्ठ उ0नि0 संदीप कुमार म0का0 लिटिल मलिक म0का0 रूबी नैन द्वारा थाना रहरा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम गंगवार में स्थित नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज, थाना रजबपुर उ0नि0 अंजना चौधरी, म0हे0का0 ललिता गंगवार, म0हे0का0 निगत परवीन, म0का0 सर्वेश महिला सुरक्षा दल थाना रजबपुर द्वारा कन्या प्राथमिक विद्यालय थाना रजबपुर, थाना बछरायूँ उ0नि0 संजोग तोमर, म0हे0का0 पारुल, म0का0 नीतू, म0का0 मानसी व म0का0 मीनू द्वारा थाना बछरायूँ क्षेत्रान्तर्गत कन्या प्राथमिक विद्यालय व ग्राम मुंडा खादर, थाना मण्डी धनौरा मिशन शक्ति टीम महिला उपनिरीक्षक मोनिका तोमर महिला हेड कांस्टेबल 221 दुर्गावती व महिला कांस्टेबल खुशबू द्वारा शांति इंटर कॉलेज मंडी धनोरा, पीआरवी 112 द्वारा मिशन शक्ति फेज -5 कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में समस्त थानो के क्षेत्रान्तर्गत बालिकाओं एवं महिलाओं को सरल तरीके से गुड टच और बैड टच के बीच का अंतर स्पष्ट रूप से समझाया गया । बालिकाओं को बाल यौन शोषण, पॉक्सो एक्ट (ढडउरड अू३) और बच्चों से जुड़े अन्य अपराधों की पहचान, उनसे सुरक्षा के उपाय, एवं उनके विरुद्ध कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई । इसके अतिरिक्त बाल यौन शोषण, बाल मजदूरी, चाइल्ड ट्रैफिकिंग, साइबर अपराध, और अन्य बाल अपराधों के विषय में भी बच्चों को अवगत कराया गया । मिशन शक्ति टीम ने बच्चों को 1098 (चाइल्डलाइन हेल्प नंबर) एवं 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा) के बारे में भी जानकारी दी, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे सहायता प्राप्त कर सकें । मिशन शक्ति पुलिस टीम ने बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें यह विश्वास दिलाया कि वे कभी भी किसी असामान्य तथा असहज स्थिति का सामना करें, तो निडर होकर अपने माता-पिता, शिक्षकों या नजदीकी पुलिस अधिकारी को बताएं । कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चियों में आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें संवेदनशील विषयों पर खुलकर बात करने के लिए प्रेरित करना तथा एक सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण का निर्माण करना तथा शासन द्वारा उनके सशक्तीकरण हेतु चलाई जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई तथा उन्हें पम्प्लेट वितरित किए गए।

परिवहन विभाग की नई उम्मीदः हरिओम का ए.आर.टी.ओ. के पद पर हुआ प्रमोशन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के परिवहन विभाग में एक नई ऊर्जा का संचार हो गया है। सहायक संभागीय परिवहन निरीक्षक (प्राविधिक) हरिओम सिंह को ए.आर.टी.ओ. के पद पर प्रमोशन मिला है। यह प्रमोशन न केवल हरिओम के लंबे संघर्ष और मेहनत का फल है, बल्कि उनके परिवार की पीढ़ियों की आकांक्षाओं का भी प्रतिबिंब है। विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और सहकर्मियों ने इस उपलब्धि पर हरिओम का जोरदार स्वागत किया। हरिओम सिंह मूल रूप से जनपद मुरादाबाद के निवासी हैं। जो की अमरोहा जिले में परिवहन विभाग में कार्यरत हैं। हरिओम का यह प्रमोशन अमरोहा जिले के लिए गौरव का विषय है। इस सफलता के पीछे हरिओम के परिवार की प्रेरणादायक कहानी छिपी है। उनके पिता स्वर्गीय श्री अमर सिंह बेसिक शिक्षा विभाग में प्रधान अध्यापक के पद पर कार्यरत रहे। अमर सिंह एक साधारण ग्रामीण शिक्षक थे, जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से न केवल अपने बच्चों को शिक्षा का महत्व सिखाया, बल्कि उन्हें सरकारी सेवा में प्रवेश दिलाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उनका सपना था कि उनके बेटे ऊंचे पदों पर पहुंचें और देश की सेवा करें। लेकिन आज हरिओम के प्रमोशन से वह सपना साकार हो गया है। स्वर्गीय अमर सिंह जी ने अपने जीवनकाल में कई कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन कभी हार नहीं मानी। उन्होंने अपने बच्चों को यही सीख दी कि शिक्षा ही वह कुंजी है जो हर ताला खोल सकती है। हरिओम सिंह परिवार के सबसे बड़े बेटे हैं। एक छोटा भाई हैं, जो। रेलवे विभाग में जूनियर इंजीनियर (सिग्नल) के पद पर कार्यरत हैं। जबकि हरिओम की यह पांचवीं सरकारी नौकरी है। जहां उन्होंने कई तकनीकी चुनौतियों का सामना किया। उसके बाद परिवहन विभाग में प्रवेश किया, जो उनके करियर का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। यहां सहायक संभागीय परिवहन निरीक्षक (प्राविधिक) के पद पर रहते हुए उन्होंने वाहन फिटनेस जांच, प्रदूषण नियंत्रण और परिवहन नियमों के अनुपालन पर विशेष ध्यान दिया। अमरोहा जिले की सड़कों पर वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका सराहनीय रही।

जीरो पॉइंट तटबंध निर्माण में घटिया सामग्री के खिलाफ किसानों का उग्र प्रदर्शन, कार्य पर रोक

हसनपुर/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के हसनपुर क्षेत्र में गंगा नदी के जीरो पॉइंट तटबंध निर्माण कार्य को लेकर स्थानीय किसानों में भारी आक्रोश फैल गया है। भारतीय किसान यूनियन (बी.आर. अंबेडकर) के नेतृत्व में दयावली, मोहम्मदाबाद, अल्लीपुर, लोहारी, विड्ला गुर्जर सहित कई गांवों के किसानों ने घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए धरना दिया और निर्माण कार्य को पूरी तरह रोक दिया। भारतीय किसान यूनियन (बी. आर. अंबेडकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी ने बताया कि ग्राम दयावली तक मंजूर इस तटबंध के निर्माण में खानापूर्ति की जा रही है। रास्ते के टूटे-फूटे गड्ढों को तो ठीक किया जा रहा है, लेकिन मुख्य निर्माण में निम्न गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग हो रहा है, जो बाढ़ के दौरान किसानों की फसलों और संपत्ति को खतरे में डाल सकता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिग्विजय भाटी के नेतृत्व में किसान माताएं-बहनें और ग्रामीण पाल पर बैठकर नारेबाजी करते हुए दो टूक कहा कि जब तक पूरा रास्ता उखाड़कर गुणवत्ता वाली सामग्री से निर्माण न शुरू हो, कोई काम आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा। प्रदर्शन दोपहर 12 बजे से 1:15 बजे तक चला, जिसमें ग्रामवासियों ने जोरदार नारे लगाए। परिणामस्वरूप, निर्माण एजेंसी को कार्य स्थगित करना पड़ा। अब उच्च अधिकारियों की बैठक बुलाई गई है, जिसमें इस मुद्दे पर चर्चा कर कार्य को सुचारू रूप से शुरू करने का फैसला लिया जाएगा। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि मांगें पूरी न हुईं तो आंदोलन और तेज होगा। प्रदर्शन में मौजूद प्रमुख लोग,अंकित विड्ला, कपिल देव,विजय सैनी, राजवाला देवी,सोनू गुर्जर,रोहित यादव,महेंद्र यादव,वाला देवी,मंथन वर्मा, कुलदीप भाटी,संतोष देवी, राधा देवी,विपिन कुमार काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।यह घटना क्षेत्र में बाढ़ सुरक्षा परियोजनाओं की गुणवत्ता को लेकर किसानों की जागरूकता को दशार्ती है। जिला प्रशासन से उम्मीद है कि जल्द ही किसानों की शिकायतों का समाधान कर निर्माण को पारदर्शी बनाया जाएगा।

9 वर्ष पुरानी रंजिश में भूरे की गोली मारकर की गई थी हत्या, पुलिस ने किया खुलासा

अमरोहा (सब का सपना):- पुरानी रंजिश में गोली मारकर हत्या की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से आलाकत्ल तमंचा, 02 जिन्दा कारतूस व मोटरसाईकिल बरामद की गई है। ज्ञात रहे कि 12 अक्टूबर रात्रि में थाना अमरोहा देहात क्षेत्रान्तर्गत कांठ रोड चिकन किंग के लगभग 500 मीटर आगे समरपाल सिंह चौहन के घेर में आयोजित पार्टी में मृतक भूरे पुत्र राम सिंह निवासी हाशमपुर थाना अमरोहा देहात जनपद अमरोहा की अज्ञात व्यक्ति द्वारा गोली मारकर हत्या कर देने के सम्बन्ध में मृतक के भाई द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर थाना अमरोहा देहात पर मु0अ0सं0 302/25 धारा 103(1) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था। पुलिस अधीक्षक, अमरोहा द्वारा घटना के शीघ्र खुलासा हेतु अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण एंव क्षेत्राधिकारी नौगावां सादात के नेतृत्व में थाना अमरोहा देहात पर टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा सीसीटीवी कैमरों एवं सर्विलांस के माध्यम से गुरुवार को हत्या की घटना कारित करने वाले 02 अभियुक्त अनुज पुत्र स्व0 नेमपाल सिंह, हरविन्द्र उर्फ पिन्टू पुत्र स्व0 धर्मपाल सिंह निवासीगण ग्राम हाशमपुर थाना अमरोहा देहात जनपद अमरोहा को कांठ बाईपास रोड के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त अनुज के कब्जे से घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल 01 तमंचा 315 बोर व 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किये गये तथा अभियुक्तगण के कब्जे 01 मो0सा0 स्पलैण्डर भी बरामद की गयी । पुलिस के अनुसार पूछताछ से जानकारी हुई कि मृतक भूरे सिंह व अभियुक्त अनुज पक्ष के मध्य पूर्व के विवाद को लेकर रंजिश थी। वर्ष 2016 में मृतक के विरुद्ध जानलेवा हमला करने का अभियोग मु0अ0सं0 29/16 धारा 307 आईपीसी बनाम भूरे व ओमवीर सिंह द्वारा पंजीकृत किया गया था, जिसमें दोनो पक्षों का समझौता हो गया था। बीते 12 अक्टूबर को रात्रि में कांठ अमरोहा रोड पर स्थित चिकन किंग होटल के पास निरंजन द्वारा समरपाल सिंह के घेर में पार्टी आयोजित की थी जिसमें अनुज, मनोज व अन्य गांव व आस पास के लोग मौजूद थे। पार्टी में भूरे इन्हें उलहाना दे रहा था कि पूर्व में भी मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाए, आगे भी इनको सबक सिखाएंगे। पार्टी में इन सब ने शराब पी रखी थी। इसी से आहत होकर व पुरानी रंजिश को लेकर अभियुक्त अनुज, हरविन्द्र, मनोज व अन्य ने मृतक भूरे सिंह की हत्या की योजना बनाकर अभियुक्त अनुज द्वारा तमंचे से मृतक भूरे सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी ।

मिशन शक्ति फेज-5 के तहत की निष्ठा बनी मंडी धनौरा की एक दिन की थाना प्रभारी

साईबर अपराध से बचाव एवं यातायात जागरूकता हेतु आयोजित की गई मंडी धनौरा पुलिस की पाठशाला

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-5 के अन्तर्गत थाना मण्डी धनौरा पुलिस द्वारा एमएस सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल कस्बा मंडी धनौरा की कक्षा 12वीं की छात्रा निष्ठा को एक दिवस का थाना प्रभारी बनाया गया।छात्रा द्वारा थाना प्रभारी बनकर जनसुनवाई व वाहनों की चैकिंग की गयी व अन्य कार्यों का अनुभव प्राप्त किया।थाना परिसर में प्रभारी निरीक्षक थाना मण्डी धनौरा बालेन्द्र सिंह द्वारा एमएस सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल कस्बा मंडी धनौरा की छात्राओं को साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, आपातकालीन सेवाओं एवं यातायात नियमों की जानकारी प्रदान की गई। छात्राओं को थाना परिसर का भ्रमण कराया गया, जहाँ उन्हें पुलिस की कार्यप्रणाली, विभिन्न शाखाओं एवं दैनिक कार्यों से परिचित कराया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि वर्तमान समय में साइबर ठग विभिन्न तरीकों से लोगों को धोखाधड़ी का शिकार बनाते हैं। अतः अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक अथवा फर्जी ऑफरों से सतर्क रहना आवश्यक है। किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी होने पर साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा www. cybercrime. gov.in पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी गई। साथ ही छात्राओं को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112 तथा अन्य उपयोगी हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया।

डीएम - एसपी ने किया तिगरी गंगा मेला स्थल का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा गंगा तिगरी मेला की तैयारी का मौके पर जाकर जायजा लिया गया। इस अवसर पर डीएम-एसपी ने प्रस्तावित ले आउट देखा और चल रहे कार्यों की प्रगति जानने के बाद बन रही सड़कों के कार्यों में तेजी लाते हुए दीपावली तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विद्युत, प्रकाश, शौचालय और पेयजल की व्यवस्था का कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने बन रहे घाटों का निरीक्षण किया और बाढ़खंड के अधिकारियों को घाटों का निर्माण सुरक्षात्मक उपायों को अपनाते हुए मजबूत बल्लियां लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने तिगरी गंगा मेला को भव्य, सुरक्षित और आकर्षक बनाने के लिए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेला में लाखों श्रद्धालु आते हैं। इसलिए, सभी अधिकारी समय रहते आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से पूर्ण करें, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर से बेहतर सुविधाएं प्राप्त हों। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने बताया कि मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। पुलिस के साथ-साथ पीएसी भी तैनात रहेगी। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी नजर रखी जाएगी। फायर सर्विस उपलब्ध रहेगी। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखा जाएगा ताकि श्रद्धालुओं और आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, उपजिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, पुलिस क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजलि कटारिया, लोक निर्माण विभाग, बाढ़ खंड सहित संबंधित अधिकारी और कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में 14 स्थान पर बिकेंगे पटाखे, सुरक्षा के कड़े इंतजाम, अवैध बिक्री पर होगी कार्यवाही

अमरोहा (सब का सपना):- दीपावली के त्यौहार को नजदीक आने के साथ ही अमरोहा जिले में उत्साह का माहौल देखने के लिए मिल रहा है। बाजारों में खरीदारी शुरू हो गई है, जिसे देखते हुए जिला प्रशासन भी सतर्क हैं। इस बार जिले में सभी 12 थाना क्षेत्रों मैं कुल 14 स्थान पर आतिशबाजी की बिक्री की अनुमति दी गई है। पटाखों की बिक्री के लिए अस्थाई लाइसेंस लेने हेतु आवेदन भी शुरू हो गए है। कारोबारी को लाइसेंस मिलने के बाद ही अपनी दुकान लगाने की अनुमति होगी। प्रशासन ने सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। अमरोहा शहर में इस बार आतिशबाजी की बिक्री जेएस हिंदू कॉलेज के मैदान के बजाय मिनी स्टेडियम में होगी। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने ट्रेड फेयर के आयोजन के कारण यह निर्णय लिया है। चिन्हित किए गए सभी बिक्री स्थलों पर दमकल की गाड़ियां और पुलिसकर्मी 24 घंटे तैनात रहेंगे। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने दमकल विभाग को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक बिक्री स्थल पर एक फायर टैंकर और पर्याप्त दमकल कर्मी मौजूद रहे ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि सभी थाना क्षेत्रों मैं 14 स्थानों पर आतिशबाजी बिक्री की अनुमति दी गई है उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रत्येक स्थान पर आग से बचाव के उपकरण और संसाधनों की उपलब्धता की जांच की जाएगी। अवैध रूप से पटाखे बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिले में जिन स्थानों पर दुकाने लगेगी वह इस प्रकार हैं अमरोहा में मिनी स्टेडियम, गजरौला में रमाबाई अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय का मैदान, धनोरा में रामलीला मैदान, बछरायूं में एनडीपी स्कूल का मैदान, रजबपूर में साप्ताहिक बाजार का मैदान, ढवारसी मैं पुलिस चौकी के पीछे वाला मैदान, रहरा मैं प्रकाश वीर शास्त्री इंटर कॉलेज का मैदान, हसनपुर में श्रीमती सुखदेवी इंटर कॉलेज का मैदान, उझारी में रविवार बाजार का मैदान पर ही पटाखों की बिक्री हो सकेगी।

पुलिस अधीक्षक ने देर रात्रि थाना हसनपुर का किया आकस्मिक निरीक्षण

मिशन शक्ति केन्द्र, साइबर सेल हेल्प डेस्क,कार्यालय अभिलेख,पीआरवी रुट चार्ट व रजिस्टर चेक कर सम्बन्धित को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार देर रात्रि पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा थाना हसनपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। "मिशन शक्ति फेज-5" अभियान के अन्तर्गत केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं, रजिस्टरों एवं शिकायत निस्तारण की प्रक्रिया का गहन परीक्षण किया गया तथा अधिक से अधिक कार्यक्रम आयोजित कराकर महिलाओं को जागरुक करने हेतु निर्देशित किया गया। महिला सशक्तिकरण, जनमानस की समस्याओं के निस्तारण व अपराध नियंत्रण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक द्वारा कार्यालय का निरीक्षण किया तथा अपराध रजिस्टर का निरीक्षण किया गया । महोदय द्वारा त्यौहार रजिस्टर, टॉप-10 अपराधियों की सूची का अवलोकन कर अपराधियों पर और अधिक प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा शराब, खनन, पशु, वन भूमाफिया आदि माफियाओं के बारे मे जानकारी कर इस प्रकार के अपराधो मे संलिप्त अभियुक्तों पर गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत की गई कार्यवाही तथा उनके विरुद्ध पंजीकृत किये गए गैंगस्टर अधि0 के अभियोगो मे वांछित अभियुक्तों की स्थिति की समीक्षा की गई। हिस्ट्रीशीटर्स की समय-समय पर चैकिंग करने एवं फ्लाई सीट में चेकिंग की प्रविष्टियां पूर्ण कराने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के पश्चात थाना प्रभारी व अन्य अधिकारी से वार्ता कर कुशलक्षेम लिया गया तथा महिला सम्बन्धित शिकायतों/अपराधों को प्राथमिकता पर लेते हुये गुण-दोष के आधार पर निष्पक्ष, त्वरित, प्रभावी कार्यवाही करने हेतु बताया गया । इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने साइबर सेल हेल्प डेस्क के कार्यप्रणाली का विशेष रूप से निरीक्षण कर अधिकारियों/कर्मचारियों को बढ़ते साइबर अपराधों पर सतर्क दृष्टि रखने तथा पीड़ितों की शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया । छोटी से छोटी घटना का संज्ञान लेकर त्वरित कार्यवाही करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया ।

आम जनता के लिये स्वच्छ वातावरण स्थापित करते हुये जन सामान्य के बैठने एवं स्वच्छ पेय जल व प्रसाधन आदि की व्यवस्था करने तथा थाने को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने के लिए स्वच्छता अभियान के साथ वृक्षारोपण आदि करने हेतु प्रभारी थाना हसनपुर को निर्देशित किया गया ।

गंगा मेला रजपुरा के सिसौना डांडा में 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक आयोजन, तैयारियों पर हुई बैठक

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई की अध्यक्षता में जिला पंचायत द्वारा विकासखण्ड रजपुरा के सिसौना डांडा में 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक आयोजित होने वाले गंगा मेले की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत आशीष सिंह ने जिलाधिकारी को मेले के प्रमुख बिंदुओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि गंगा मेला 27 अक्टूबर से शुरू होकर 5 नवंबर तक चलेगा, जिसमें कार्तिक पूर्णिमा का मुख्य पर्व 5 नवंबर को मनाया जाएगा। मेले की तैयारियों के तहत मार्ग व्यवस्था, सुरक्षा, विकास प्रदर्शनी, साफ-सफाई, चिकित्सा सुविधा, पेयजल, यातायात, टेंट और विद्युत व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं से समर्थ उत्तर प्रदेश, विकसित उत्तर प्रदेश@2047 के तहत विजन डॉक्यूमेंट्स के लिए सुझाव भी एकत्र किए जाएं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, क्षेत्राधिकारी गुन्नौर दीपक तिवारी, डिप्टी कलेक्टर नीतू रानी, वंदना मिश्रा, सौरभ कुमार पाण्डेय, रामानुज सहित अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्री वेंक्टेश्वरा संस्थान में विश्व खाद्य दिवस पर "हैंड इन हैंड फॉर बेटर फूड्स एंड बेटर फ्यूचर विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

"आयोजन में आधुनिक विधियो द्वारा किसानो की आय बढ़ाने के उपायों पर मंथन"

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय संस्थान में स्कूल एग्रीकल्चर साईंसेज की ओर से विश्व खाद्य दिवस-2025 पर हैंड इन हैंड फॉर बेटर फूड्स एंड बेटर फ्यूचर विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आये एक दर्जन से अधिक कृषि वैज्ञानिक ने हिस्सा लिया। राष्ट्रीय संगौष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे विश्व के पहले पांच कृषि वैज्ञानिकों मं शुमारइंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च संस्थान पूसा के प्रधान वैज्ञानिक प्रो0 (डॉ0) रमेश कुमार यादव ने कहा हमारी सेहत सीधे तौर पर मिट्टी की सेहत से जुड़ी है। आज अंधाधुंध रसायनों एवं कृत्रिम खाद के बेतहाशा प्रयोग से यदि हम तेजी से बंजर होती भूमि को बचाने के साथ-साथ खाद्य पदार्थो में बढ़ते रसायनों एवं कीटनाशकों से होने वाली कैंसर, अल्सर समेत सैकड़ों बिमारियों से अपने आप को बचाना चाहते है तो हमे फिर से जैविक खेती की ओर लौटना होगा। मोटे अनाज एवं रसायनविहीन खाद्य पदार्थो को अपनी डाईट में शुमार करना होगा। फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए कृत्रिम रासायनिक खादों के बजाय, गोबर, गोमूत्र, गुड़, सूखे पत्तों को खाद के तौर पर उपयोग में लाना होगा।इस अवसर पर एग्रीकल्चर के छात्र-छात्राओ ने हैंड इन हैंड फॉर बेटर फूड्स एंड बेटर फ्यूचर के विभिन्न स्टाल लगाकर जैविक खेती को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि ने संस्थान प्रबंधन के साथ मिलकर विजेता छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान के सरदार पटेल सभागार में स्कूल आफ एग्रीकल्चर की ओर से विश्व खाद्य दिवस पर आयोजित खाद्य सुरक्षा के लिए हैंड इन हैंड फॉर बेटर फूड्स एंड बेटर फ्यूचर विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार का शुभारम्भ।संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, मुख्य अतिथि डॉ0 रमेश कुमार यादव, कुलपति प्रो0 कृष्ण कान्त दवे, डीन एग्रीकल्चर डॉ0 टी0पी0 सिंह, प्रभारी डीन प्रो0 थॉमस एब्राहिम आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। विश्व खाद्य दिवस-2025 पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार को प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय एवं कुमायूं विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति विख्यात कृषि वैज्ञानिक प्रो0 वी0पी0एस0 अरोड़ा, कुलपति प्रो0 कृष्ण कान्त दवे, कृषि वैज्ञानिक एवं संगौष्ठी के मुख्य आयोजक डॉ0 टी0पी0 सिंह आदि ने भी सम्बोधित किया।इस अवसर पर कुलसचिव डॉ0 पीयूष पांडे, डीन एग्रीकल्चर डॉ0 टी0पी0 सिंह, डॉ0 नीतू पंवार, डॉ0 योगेश्वर, डॉ0 राजवर्द्धन, डॉ0 दर्पण कौशिक, डॉ0 माता प्रसाद, डॉ0 लक्ष्मीकान्त, डॉ0 ज्योति सिंह, डॉ0 विनय कुमार सिंह, डॉ0 शेषनाथ सिंह, डॉ0 वरूण त्रिपाठी डॉ0 आशिया वाहिद, डॉ0 कौशल कुमार, उदित तिवारी एवं मेरठ परिसर से डॉ0 प्रताप सिंह, विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शानदार संचालन डॉ0 ज्योति सिंह ने किया।

द आर्यन्स में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य पर टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया

अमरोहा (सब का सपना):- अग्रणी शिक्षण संस्थान द आर्यन्स जोया में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर टेबल टेनिस प्रतियोगिता का भव्य आयोजन कराया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि (एस० डी० एम०) मैहा नजम और अश्विनी कुमार मिश्र (सी-डी-ओ) अमरोहा, विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह व निदेशक अमन लिङ्ग एवं गौरव चौधरी और प्रधानाचार्य आदेश सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलन एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया । इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना, अनुशासन तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करना था। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने अपने उद्द्बोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने 'एकात्म मानववाद के सिद्धांत के माध्यम से समाज में समरसता और समानता का संदेश दिया था, और खेलों के माध्यम से भी यही भावना विकसित की जा सकती है। प्रतियोगिता में ऑक्सफोर्ड स्कूल गजरौला, कंपोजिट स्कूल बरखेड़ा सदर एवं द आर्यन्स स्कूल जोया के प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में अक्षिता, आर्यवीर सिंह, सुशांत कुमार, विकासु, दीपक कुमार, वंशिका और आरती आदि खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में बालक सिंगल (1) विकाशु (2) दीपक कुमार (3) मार्गव, बालिका सिंगल (1) अक्षिता (2) अनन्या (3) वंशिका, बालक बबल (1) विकाशु (2) आर्यवीर, सुशांत (३) शान, उत्कर्ष खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंत में विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह व निदेशक अमन लिङ्ग एवं गौरव चौधरी और प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने सभी प्रतिभागियो का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दिलाया। प्रतियोगिता के इस अवसर पर विद्यालय के अजीत सिंह, ममता, जागृति कौशिक, शुभम शर्मा, विनीत कुमार शर्मा, सुमित चौधरी, अजना, सतोष, प्रेरिता, रिया, अनिल कुमार, फुरकान रौफी, सचिन शर्मा, सोनू, चांदनी बत्रा, प्रगति टंडन, सुचित्रा, कुमुद, सोनू, शिवानी सरोहा, रुकैया, ममता, कल्पना, अजीत सिंह, रुचि सिंह, सचिन कुमार यादव शिवम कुमार, रोहित कुमार, खुशबू चौधरी, प्रियंका देवी, प्रतीक कुमार, रमनबाला, शीतल यादव, शैलजा चौधरी, आकाशा शर्मा, विपिन कुमार, पूजा, धीरज महलवार, अदिति, अनुज, सिखा आनंद, सुमित कुमार, नाहिद नकवी, रचना, अभिषेक सुमन, शिवानी गुप्ता, नीतू राज, शालिनी वर्मा, स्वाति चौधरी, हुमा बेबी आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आईजीआरएस समीक्षा बैठक, डिफाल्टर संदर्भों पर सख्त निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में जिला कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) के तहत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में डिफाल्टर संदर्भों को लेकर गहन समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि पोर्टल पर कोई भी डिफाल्टर संदर्भ नजर नहीं आना चाहिए।

जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों में लंबित संदर्भों को समयबद्ध तरीके से निपटाने के निर्देश दिए। साथ ही, संतोषजनक और असंतोषजनक फीडबैक पर चर्चा करते हुए, संतोषजनक फीडबैक की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया ताकि जिले की रैंकिंग में सुधार हो सके। उन्होंने सभी शिकायतकताओं से सीधे संवाद करने और शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए कहा। इसके अतिरिक्त, आख्या तैयार करने वाले अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे स्वयं आख्या को पढ़कर उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य हेल्पलाइन से संबंधित मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, डिप्टी कलक्टर नीतू रानी, वंदना मिश्रा, सौरभ कुमार पाण्डेय, रामानुज सहित अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को जन शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के लिए कटिबद्ध रहने का आह्वान किया ताकि आम जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकें।

जिलाधिकारी ने की बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा, कस्तूरबा विद्यालयों पर विशेष ध्यान

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता, कस्तूरबा विद्यालयों की प्रगति, और शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा हुई।

जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम कस्तूरबा विद्यालयों के कार्यों की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने राजमाता अहिल्याबाई होल्कर के वीडियो अवलोकन और शिक्षा की गुणवत्ता पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को देश व राज्यों की राजधानियों, विदेशी देशों के नाम, और जनपद संभल के तीर्थ स्थलों की जानकारी प्राथमिकता पर सिखाई जाए। इसके लिए सभी शिक्षकों को निर्देश दिए गए। पीयर लर्निंग और 'मेरी त्रुटि मेरी सीख' पहल की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने के खिलाफ कठोर चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही, शासन की योजनाओं को शत-प्रतिशत लागू करने और श्रुति लेखन पर विशेष ध्यान देने को कहा। बैठक में अनुपस्थित स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी के वेतन को 'नो वर्क, नो पे' के आधार पर काटने के निर्देश दिए गए। कस्तूरबा विद्यालय पवांसा के वार्डन को अगले सप्ताह तक हटाने की कार्रवाई करने का आदेश भी बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिया गया। जिलाधिकारी ने पीएम श्री विद्यालयों का भ्रमण करने के लिए कस्तूरबा विद्यालयों के शिक्षकों को निर्देशित किया। पीएम श्री विद्यालयों में आरओ युक्त पेयजल, चहारदीवारी, बाला पेंटिंग, पोषण वाटिका, दिव्यांगजन शौचालय, और दिव्यांग फ्रेंडली पुस्तकालय की स्थिति पर चर्चा हुई। लंबित भुगतानों को प्राथमिकता पर निपटाने के निर्देश दिए गए। पंचायती राज विभाग के अंतर्गत सफाई कर्मचारियों के सर्विस रिकॉर्ड, जर्जर भवनों, मध्याह्न भोजन, और छात्रों की उपस्थिति जैसे मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, जिला पंचायती राज अधिकारी सीपी सिंह, सभी खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, ग्राम प्रधान, और संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

खाद्य मिलावट के खिलाफ सख्त कार्रवाई

पनीर प्लांट और तेल निर्माण इकाई पर छापेमारी, नमूने जब्त

संभल(सब का सपना):- आगामी दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैय्यादूज पर्व को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, संभल ने खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई तेज कर दी है। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के आदेश और जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रवर्तन दल ने जनपद के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की। इस दौरान मिलावट के संदेह पर नमूने संग्रहित किए गए और अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों को नष्ट कराया गया। गुरुवार को तहसील संभल के ग्राम मथना में गजराम पुत्र पूरनदास के बिना लाइसेंस संचालित पनीर प्लांट पर छापेमारी की गई। मौके पर पनीर निर्माण के लिए भंडारित दूध और तैयार पनीर के नमूने संग्रहित किए गए। अस्वच्छ परिस्थितियों में रखे गए लगभग 2500 लीटर दूध को नष्ट कराया गया। इसी दिन चन्दौसी के हनुमान गढ़ी में सुमित अग्रवाल की बिना लाइसेंस संचालित निर्माण इकाई पर छापा मारा गया। वहां रिफाइंड सोयाबीन तेल को श्री कुंज ब्रांड पूजा तेल के नाम से पैक करते हुए पाया गया। मौके पर भंडारित रिफाइंड सोयाबीन तेल का नमूना लिया गया और 475 लीटर तेल जब्त कर निर्माण कार्य पर रोक लगा दी गई। त्योहारी सीजन को ध्यान में रखकर 8 अक्टूबर से शुरू हुए इस अभियान में अब तक विभिन्न खाद्य पदार्थों के 32 नमूने संग्रहित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग ने बताया कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने जनता से अपील की है कि वे त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थ खरीदते समय सावधानी बरतें और लाइसेंस प्राप्त दुकानों से ही खरीदारी करें।

ए, एस, एम, इंटर कॉलेज खाता बना सीनियर बालक वर्ग में चैंपियन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी ए, एस, एम ,इंटर कॉलेज खाता सीनियर बालक वर्ग में 61 अंक लेकर विजेता रहा है इससे पूर्व हैंडबॉल प्रतियोगिता अंडर 17 अंडर 19 बालक वर्ग में विद्यालय मंडल स्तर पर विजेता रहा है विद्यालय में 2 घंटे सुबह वह 2 घंटे शाम खिलाड़ी प्रतिदिन खेलों का अभ्यास करते हैं। विद्यालय में खेलों का बड़ा मैदान उपलब्ध है जिसमें विभिन्न खेलों की सुविधा उपलब्ध हैं । प्रबंधक वीरेंद्र कुमार गुप्ता बच्चों की डायट , शिक्षा व खेल उपकरणों का पूरा ध्यान रखते हैं इसी क्रम में 27 सितंबर को विद्यालय में मंडल स्तर की अंडर 14, अंडर 17, व अन्डर 19 कबड्डी बालक व बालिका वर्ग संपन्न हो चुकी है जिसमें जिला विद्यालय निरीक्षक मुख्य अतिथि की भूमिका में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का आयोजन बहुत सफल रहा बच्चों को सुबह-शाम जनपद के द्रोणाचार्य कहे जाने वाले कोच सुरेंद्र सिंह खेलों का बड़े अनुशासन तरीके से प्रशिक्षण देते हैं तथा विद्यालय के व्यायाम अध्यापक जितेंद्र शर्मा उन्हें लगातार सहयोग प्रदान करते रहते हैं भविष्य में ऐसी आशा है की ए, एस ,एम , खाता इन्टर कालेज के खिलाड़ी जनपद ही नहीं पूरे देश में विद्यालय का नाम रोशन करेंगे ,क्योंकि विद्यालय में खिलाड़ियों को हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध है।

जिलाधिकारी ने की सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यों की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जनपद में सीएम डैशबोर्ड पर विभागीय रैंकिंग, जीरो पॉवर्ट, विकास कार्यों और निमार्णाधीन 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाओं और विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। इसके साथ उन्होंने बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, पिछड़ा वर्ग विभाग की योजना एवं परियोजनाओं, राष्ट्रीय वृद्धावस्था योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मिशन शक्ति फेज 5, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजना एवं कृषि विभाग की योजना एवं परियोजनाओं सहित कैच द रैन अभियान की विस्तृत समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विकसित उत्तर प्रदेश 2047 समृद्धि का शताब्दी पर्व महाअभियान में भागीदारी के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, डीपीओ, जिला विकास अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, जिला पंचायत राज अधिकारी, कृषि अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी एवं समस्त अधिशासी अधिकारी संबंधित ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों, नगर पंचायतों एवं नगर पालिकाओं के वार्डों में अधिकतम जनसहभागिता के साथ आमजनों को संवेदीकृत करते हुए सुझाव देने के लिए प्रेरित करें और फीडबैक दिलाना सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रदेशवासी की भागीदारी से विजन डाक्यूमेंट बनाना माननीय मुख्यमंत्री की प्राथमिकता में शामिल है। यह एक साझा लक्ष्य है जोकि जनता के विश्वास और सक्रिय सहभागिता से आगे बढता है। यह परिकल्पना हर प्रदेशवासी के सहयोग से ही साकार होगी। जिलाधिकारी ने बैठक में समीक्षा करते हुए जीरो पावर्टी में चयनित लाभार्थियों का सत्यापन करने के निर्देश दिए। इसके लिए ब्लॉकवार लिस्ट बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में जीरो पावर्टी में चयनित लाभार्थियों को वरीयता दी जाए। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना में सभी विभागों द्वारा कराए गए रजिस्ट्रेशन की सूची अद्यतन स्थिति सहित उपलब्ध कराने की बात कही। बैठक से अनुपस्थित रहने पर जिला पूर्ति अधिकारी और अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण का स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सुनिश्चित किया जाय जनपद में कहीं भी किसी भी दशा में पराली जलाने की घटना न हो। इसके लिए उन्होंने ग्राम प्रधानों सहित अन्य स्तर पर संवेदीकरण करने के निर्देश दिए। डीएम ने निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यों को समय से पूरा कराया जाए। इसके साथ ही सभी कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे कार्यों की परियोजनावार समीक्षा कर गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। इसी के साथ पूर्ण परियोजनाओं को सीएमआईएस पोर्टल पर भी अपलोड किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाएं कार्य को प्राथमिकता दें और तेजी लाकर उसे पूर्ण करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्य में मानकों का पूर्ण ध्यान रखा जाए, कोई लापरवाही न हो और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त, उप कृषि निदेशक डॉ राम प्रवेश, अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी पुनीत कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी और कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में त्योहारों के मद्देनजर पैदल गस्त, कानून-व्यवस्था पर रखी गई कड़ी नजर

संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के नेतृत्व में संभल में आगामी त्योहारों धनतेरस, छोटी दीवाली, बड़ी दीवाली, भैया दूज और गोवर्धन पूजा को ध्यान में रखते हुए कानून एवं शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए व्यापक पैदल गस्त की गई। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी), सिटी मजिस्ट्रेट संभल, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका संभल, सहायक पुलिस अधीक्षक ,क्षेत्राधिकारी संभल, क्षेत्राधिकारी असमोली, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली, प्रभारी निरीक्षक नखासा और थानाध्यक्ष रायसत्ती मय फोर्स के साथ मौजूद रहे। गस्त के दौरान चौधरी सराय, चरण सिंह चौक, शंकर चौराहा, अस्पताल चौराहा, एजेंट चौराहा, छंगामल कोठी, आर्य समाज रोड, खरगूसराय तिराहा, नखासा तिराहा, मोहल्ला ठेर, सराफा बाजार और टंडन तिराहा जैसे प्रमुख क्षेत्रों को कवर किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि त्योहारों के दौरान शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। स्थानीय लोगों ने पुलिस के इस कदम की सराहना की और कहा कि इससे त्योहारी सीजन में सुरक्षा का माहौल और मजबूत होगा। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें और शांति बनाए रखने में सहयोग करें।

महिला सशक्तिकरण का नया दौर, थानों ने बाजारों-स्कूलों में बांटे जागरूकता पम्फलेट

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान के तहत जनपद सम्भल में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व स्वावलंबन के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में सभी थानों की एंटी-रोमियो टीमों ने 'मिशन शक्ति फेज-05' के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। महिला पुलिसकर्मियों ने स्कूलों, कॉलेजों, बाजारों, चौराहों और धार्मिक स्थलों पर पम्फलेट बांटकर महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इनमें मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना और वन स्टॉप सेंटर जैसी योजनाएं शामिल हैं। चौपालों के माध्यम से बालिकाओं को जागरूक करने के साथ-साथ उनकी समस्याओं के समाधान पर भी जोर दिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह अभियान शुरू किया गया है सम्भल में इस अभियान ने महिलाओं में आत्मविश्वास जगाने और सुरक्षित वातावरण देने का काम किया है। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे नारी शक्ति को बढ़ावा देने वाला कदम बताया। जिला प्रशासन ने आगामी दिनों में और कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है, ताकि हर महिला सशक्त और सुरक्षित बन सके।

जुलाना में पहुंचा एएसआई संदीप का पार्थिव शरीर, लोगों ने लगाए अमर रहे के नारे

जुलाना : एएसआई संदीप लाठर का पार्थिव शरीर रोहतक पीजीआई से पोस्टमार्टम के बाद जुलाना पहुंचा। इस दौरान साथ चल रहे लोगों ने हाथों में झंडे उठाकर अमर रहे के लगाए। संदीप लाठर के अंतिम संस्कार में कई तमाम बड़ें नेता पहुंचे हैं, जिनमें पंचायती राज मंत्री कृष्ण लाल पंवार, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, मंत्री रणबीर गंगवा, डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिढ्डा, भाजपा अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली समेत कई नेता शामिल हुए। आज संदीप लाठर का जुलाना में अंतिम सस्कार होगा।खेत में संदीप ने खुद को मारी थी गोली बता दें कि बीते मंगलवार की दोपहर अरक संदीप लाठर ने धामड़ रोड स्थित मामा के खेतों में बने कमरे की छत पर सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली थी।

उन्होंने आत्महत्या से पहले एक वीडियो और 4 पन्नों का सुसाइड नोट छोड़ा, जिसमें उन्होंने IPS वाई पूरन कुमार पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे।

इस मामले से हरियाणा में राजनीति गमार्ती नजर आ रही है।

जाट समाज समिति ने की पलवल में मीटिंग, IPS और IAS केस पर कही ये बड़ी बात

पलवल : पलवल में जाट धर्मशाला में जाट समाज विकास समिति ने प्रेस वार्ता आयोजित कर दिवंगत एडीजीपी वाई पूरन कुमार और एएसआई संदीप लाठर की आत्महत्या पर गहरा शोक व्यक्त किया। समिति ने दोनों मामलों की न्यायिक जांच की मांग करते हुए कहा कि इन घटनाओं ने प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इस अवसर पर हरिचंद शास्त्री, रामप्रसाद सरपंच, ज्ञान सिंह चौहान, रणवीर सिंह और करतार मंढनाका समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि कर्मचारियों की आत्महत्याएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं और सरकार को इनकी तह तक जांच कर भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपाय करने चाहिए।समिति ने मांग की कि एडीजीपी पूरन कुमार की आत्महत्या की जांच हाईकोर्ट के सिटिंग जज से कराई जाए, ताकि उनके पूरे कार्यकाल से जुड़े तथ्यों की निष्पक्ष समीक्षा हो सके। साथ ही, एएसआई संदीप लाठर द्वारा छोड़े गए वीडियो और सुसाइड नोट की भी न्यायिक जांच की जानी चाहिए। समिति ने दी चेतावनी पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार को किसी दबाव में आकर कार्रवाई नहीं करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जांच निष्पक्ष नहीं हुई तो जाट समाज एक बड़ी पंचायत बुलाकर आगे की रणनीति तय करेगा।

एएसआई संदीप लाठर के घर पहुंची विधायक विनेश फोगाट, बहनों ने रोते हुए कहा- किसी ने साथ नहीं दिया

जुलाना : गुरुवार को विधायक विनेश फोगाट ने आत्महत्या करने वाले एएसआई संदीप लाठर के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान संदीप की बहनें फूट-फूटकर रो पड़ीं और विधायक से इंसाफ की मांग की। संदीप की बहनों ने रोते हुए कहा कि संदीप ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई, लेकिन किसी ने उसका साथ नहीं दिया, जिससे मजबूर होकर उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया। बहनों ने कहा कि भाई ने देश की ईमानदारी से सेवा की, वह कमजोर नहीं था। अब बस हमें उसके लिए न्याय चाहिए। विधायक विनेश फोगाट भी भावुक नजर आईं। खेत में संदीप ने खुद को मारी थी गोली बता दें कि बीते मंगलवार की दोपहर एएसआई संदीप लाठर ने धामड़ रोड स्थित मामा के खेतों में बने कमरे की छत पर सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली थी। उन्होंने आत्महत्या से पहले एक वीडियो और 4 पन्नों का सुसाइड नोट छोड़ा, जिसमें उन्होंने आईपीएस वाई पूरन कुमार पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। इस मामले से हरियाणा में राजनीति गमार्ती नजर आ रही है।

चीनी मिल चन्दनपुर में पेराई सत्र 2025-26 के संचालन हेतु किया गया ब्यायलर पूजन

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- चीनी मिल में वैदिक रीति रिवाज के साथ मुख्यपंडित कृष्णा शास्त्री एवं पंडित गोविन्द शर्मा द्वारा ब्यायलर का पूजन किया गया। चीनी मिल के उपाध्यक्ष आमोद कुमार शर्मा ने मुख्य यजमान के द्वारा पूर्ण विधि विधान के साथ ब्यायलर का पूजन किया गया तथा हवन में मंत्रोचारण के साथ आहूति देकर पेराई सत्र 2025-26 की सफलता के लिये ईश्वर से कामना की गई। चीनी मिल के संचालन हेतु सबसे पहले ब्यायलर पूजन किया जाता है क्योंकि ब्यायलर से ही स्टीम आदि बनाने का कार्य होता है और आज ब्यायलर पूजन हो जाने के बाद पेराई सत्र 2025-26 भी शीघ्र ही प्रारम्भ हो जायेगा। चीनी मिल के उपाध्यक्ष ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि शीघ्र ही अपने-अपने क्षेत्र का कार्य समाप्त कर लें ताकि शीघ्र ही चीनी मिल को आरम्भ किया जा सके। आमोद कुमार शर्मा ने सभी कृषक भाईयो से अपील की है कि कृषक भाई अपना गन्ना इधर-उधर औने-पौने दामों में न डालें, अपना समस्त गन्ना चीनी मिल में ही आपूर्ति करें। चीनी मिल में साफ, ताजा एवं पर्ची के अनुसार ही गन्ना लेकर आयें। साथ ही यह भी अवगत कराया कि गतवर्ष जिस प्रकार हमारे द्वारा समय से गन्ने का भुगतान किया जाता रहा, उसी तरह इस पेराई सत्र 2025-26 में भी समय से भुगतान किया जाता रहेगा। इस अवसर पर चीनी मिल के समस्त अधिकारी टी.सी. रजौरिया महाप्रबन्धक (उत्पादन), रवि गुप्ता, महाप्रबन्धक (तकनीकि), आर. एस. सहरावत, महाप्रबन्धक (गन्ना), बिपिन मिश्रा, अभय प्रताप सिंह, मुरली सिंह, दीप अग्रवाल आदि अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरियाणा में इन स्कूलों पर होगी कार्रवाई, अगर किया ये काम...सरकार ने जारी किए आदेश

अंबाला : हरियाणा के स्कूलों में बच्चों से पैसे लेकर दिखाए जाने वाले मैजिक शो व अन्य कार्यक्रमों पर रोक लगा दी गई है। ऐसा करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बारे में निदेशक माध्यमिक शिक्षा हरियाणा, पंचकूला ने एक लेटर भी जारी किया है। राज्य के सभी सरकारी व निजी स्कूलों में बिना अनुमति मैजिक शो या किसी भी प्रकार के निजी कार्यक्रमों के आयोजन पर सख्त रोक लगाई है। नए आदेश के तहत सभी सरकारी व निजी स्कूलों को स्पष्ट रूप से आदेश दिए गए है कि यदि किसी स्कूल में मैजिक शो या अन्य कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता हो, तो उसके लिए पहले शिक्षा विभाग से अनुमति लेनी जरूरी होगी। साथ ही ऐसे आयोजनों के लिए किसी भी छात्र से फीस या टिकट के पैसे नहीं लिए जाएंगे। ये कार्यक्रम केवल निशुल्क और शैक्षणिक या स्थ्यवर्धक उद्देश्य से ही आयोजित किए जा सकते हैं, जिससे विद्यार्थियों की शिक्षा प्रभावित न हो।

एएसआई संदीप लाठर के घर सीएम आए , तो अभय चौटाला ने कसा तंज...बोले जाटों की सहानुभूति लेने आए थे

रोहतकः एडीजीपी वाई पूरण कुमार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर खुदकुशी करने वाले एएसआई संदीप लाठर के शव को लेकर दूसरे दिन भी गांव में राजनीतिक सरगर्मी बनी रही। भाजपा, कांग्रेस, इनेलो सहित राजनीतिक दल और कई संगठनों के लोगों का गांव में तांता लगा रहा। इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला करीब 5 बजे लाढ़ौत गांव पहुंचे। परिजनों को ढांढ़स बंधाने के बाद उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री सुबह आए थे लेकिन अभी तक केस दर्ज नहीं हुआ। वे जाटों की सहानुभूति लेने आए थे न्याय करने नहीं। अगर न्याय करने आए होते तो अब तक कार्रवाई हो जाती। पूरे मामले की जांच सीबीआई से हाईकोर्ट के जज की निगरानी में कराई जाए। एएसआई संदीप के शव के पास परिजन व ग्रामीण दिनभर बैठे रहे। दूसरे दिन भी ग्रामीण पूरी घटना को लेकर आक्रोशित रहे। मंगलवार को संदीप ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारकर खुदकुशी कर ली थी। संदीप ने अपने सुसाइड नोट और मृत्युपूर्व बनाए वीडियो में दिवंगत एडीजीपी वाई पूरण कुमार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे।

चिंताजनकः हरियाणा में 9वीं से 12वीं तक लड़कों का ड्रॉप आउट लड़कियों से ढाई गुना ज्यादा

पानीपतः हरियाणा के स्कूलों में लड़कियों की अपेक्षा लड़कों का ड्रॉप आउट ज्यादा है। पहली से पांचवीं कक्षा तक ड्रॉप आउट शून्य है। कक्षा छठी से आठवीं तक 1.7% बच्चे स्कूल छोड़ गए। इनमें 2.4% लड़के व 0.9% लड़कियां हैं। नौवीं से बारहवीं तक ड्रॉप आउट 4.9% है, जिनमें लड़के 6.6% व लड़कियां 2.7% हैं। यानी 9वीं से 12वीं तक लड़कों का ड्रॉप आउट लड़कियों के मुकाबले करीब ढाई गुना ज्यादा है। यह बातें केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट में सामने आई हैं। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के डेटा के अनुसार, प्रदेश के 23,494 - स्कूलों में 57 लाख लाख 69 हजार 330 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। इनमें 31,09,149 लड़के और 26,60,181 लड़कियां हैं। इन स्कूलों में 2,63,942 शिक्षक प्राइमरी में 30, हाई स्कूलों में 35 बच्चों पर कम से कम एक शिक्षा होना अनिवार्य है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 450 से ज्यादा स्कूलों में 10 से भी कम विद्यार्थियों ने दाखिला लिया। 10 से कम छात्रों वाले स्कूल 2 फीसदी, 11 से 20 छात्रों वाले 3.8% और 21 से 30 छात्रों वाले 6.8% स्कूल हैं। प्रदेशभर में 2,418 स्कूल ऐसे हैं, जिनमें पूरे वर्ष बच्चों के लिए एक भी स्वास्थ्य जांच शिविर नहीं लग पाया। 4,955 स्कूलों को अभी तक इंटरनेट की सुविधा ही नहीं मिली। प्रदेश में 14,338 सरकारी स्कूल हैं। इनमें राज्य सरकार की ओर से 14,278 स्कूल चलाए जा रहे हैं। 35 केंद्रीय, 24 नवोदय विद्यालय और 4 अन्य सरकारी स्कूल हैं। 4 स्कूल सरकारी सहायता प्राप्त, 8,499 स्कूल प्राइवेट हैं। 653 स्कूल ऐसे हैं, जो संस्थाएं चला हैं।चिंताजनक स्थिति यह है कि 1,066 स्कूल सिर्फ एक ही शिक्षक के सहारे चल रहे हैं, जबकि इन स्कूलों में 43,400 विद्यार्थी हैं। इन स्कूलों में औसतन 40 बच्चों पर एक शिक्षक है, जबकि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत रही हैं। सरकारी स्कूलों में 1,01,670, प्राइवेट स्कूलों में 1,57,257, एडिड स्कूलों में 71, संस्थाओं द्वारा संचालित स्कूलों में 4,944 शिक्षक हैं। सरकारी व प्राइवेट स्कूलों में 21,625 स्पेशल बच्चे भी पढ़ाई करते हैं, जिनमें 13036 लड़के व लड़कियां 8589 हैं।

मिट्टी निर्मित स्वदेशी उत्पादों की महक से गूंजा परिसर

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- मुरादाबाद में आयोजित क्षेत्रीय माटी कला मेला में स्वदेशी उत्पादों की महक और माटी की सोंधी सुगंध से पूरा परिसर गूंज उठा। मेले में लगे माटी कला स्वदेशी स्टाल पर कारीगरों द्वारा बनाए गए आकर्षक मिट्टी के दीपक, गुल्लक, कटोरी, कुल्हड़, दीये आदि वस्तुएं प्रदर्शित और विक्रय हेतु रखी गईं। यह स्टाल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। इस अवसर पर प्रकृति बचाओ महा अभियान के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उत्तम सिंह प्रजापति, समाजसेवी प्रकाश प्रजापति, मनीष चौहान एवं बाला शर्मा राजकुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उन्होंने माटी कला के इस पारंपरिक उद्योग को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण बताते हुए कारीगरों का उत्साहवर्धन किया। डॉ. प्रजापति ने कहा कि मिट्टी से बने उत्पाद न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति और स्वदेशी परंपरा के प्रतीक भी हैं। इस प्रकार के मेले न केवल ग्रामीण कारीगरों को रोजगार का अवसर देते हैं।

नए डीजीपी ओपी सिंह का हरियाणा पुलिस के जवानों के नाम लेटर, लिखा- दगा करे वो किसी से तो शर्म आए मुझे

हरियाणा : हरियाणा के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओपी सिंह ने पुलिसकर्मियों को मोटिवेट करने के लिए एक लेटर जारी किया है। इस लेटर में डीजीपी ने कतील शिफाई का एक शेर भी लिखा है- "वो मेरा दोस्त है सारे जहाँ को है मालूम, दया करे वो किसी से तो शर्म आए मुझे।" उन्होंने पत्र लिखा कि गौरवशाली हरियाणा पुलिस के प्रिय साथियों, हमारे देश का एक गौरवशाली अतीत रहा है। प्राचीन काल में नदी घाटी सभ्यता होने के कारण हम सबसे समृद्ध थे। इसी कारण सीमा पार से हम पर बड़े हमले हुए। हमने सदियों गुलामी झेली। आजादी कुछ ही दशकों की बात है। इस थोड़े समय में हम गरीबी, बीमारी और अशिक्षा से काफी हद तक उबरने में सफल हुए हैं। देश और प्रांत निर्बाध तरक्की करे, इसके लिए सुरक्षा बलों के हमारे हजारों साथियों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। अकेले हरियाणा में अब तक हमारे चौरासी साथी वीरगति को प्राप्त हुए हैं। मैं उनके सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। हिंसा और छलावा प्रकृति के स्वभाव में है। सभ्य जीवन इसके विरुद्ध अपराध तंत्र का सतत संघर्ष है। प्रजातंत्र का आश्वासन है कि शेर और बकरी एक ही घाट में पानी पियें और शेर को अपनी ताकत का गुमान ना हो और ना ही बकरी को अपने कमजोरी का मलाल। ये सुनिश्चित करने की जिम्मेवारी पुलिस को मिली है।कुछ लोग इस सामाजिक और कानूनी करार को कभी-कभी नहीं मानते। हमारा काम उनको घर-घर, गली-गली, गाँव-गाँव, रास्ते-डगर, शहर-शहर रोकना है। मैं चाहूँगा कि अपने दिन-प्रतिदिन के कार्यों में आप राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को देखें। आपके कारगर होने से लोग चैन की साँस लेते हैं, कारोबार को बढ़ावा मिलता है, लोगों को रोजगार मिलता है, समाज व्यवस्थित एवं देश आत्मनिर्भर होता है। मैं ये भी चाहूँगा कि अपने आचरण-व्यवहार से आप दूसरों के लिए प्रेरणा और विश्वास का श्रोत बनें। इस बात को समझें कि लोगों ने पीढ़ी-दर-दर बहुत सहा है। आपसे उनको राहत, संरक्षण और सहयोग चाहिए। कतील शिफाई का एक शेर हैः "वो मेरा दोस्त है सारे जहाँ को है मालूम इतिहास के इस दौर ने जब आपको राष्ट्र-निर्माण में अग्रणी भूमिका दी है, मुझे पूरा विश्वास है कि आप इस पर खरे उतरेंगे। सही और गलत में आप सही की हमेशा रक्षा करेंगे। कीमत जो भी चुकानी पड़े।

दिव्यांगजन कल्याण योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

पोर्टल पर लंबित मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल वितरण, सीएसआर, और दिव्याशा केंद्र के कार्यों पर हुई चर्चा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया के निर्देशन और मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की योजनाओं और कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी दिलीप कुमार ने पिछली बैठक के बिंदुओं पर की गई कार्रवाई की विस्तृत जानकारी दी। मुख्य विकास अधिकारी ने नगर पालिका, नगर पंचायत और ग्राम पंचायतों से प्राप्त होने वाली दिव्यांगजन सर्वे रिपोर्ट की स्थिति जानी। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिन अधिकारियों ने सर्वे रिपोर्ट जमा नहीं की है, उनका स्पष्टीकरण जारी किया जाए और अक्टूबर माह का वेतन रोकने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में पोर्टल पर लंबित मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल वितरण, सीएसआर, और दिव्याशा केंद्र के कार्यों पर चर्चा हुई। सुगम्य परिवहन के तहत बसों में दिव्यांगजनों के लिए सीट आरक्षण को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, दिव्यांग पेंशन, आधार सीडिंग, फैमिली आईडी, कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण योजना, दिव्यांगजन आजीविका पंजीकरण, दिव्यांग रोजगार मेला, और दिव्यांग खेल जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। संबंधित अधिकारियों को इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में प्रभारी जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी दिलीप कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा सहित सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में त्योहारों के मद्देनजर पैदल गस्त, कानून-व्यवस्था पर रखी गई कड़ी नजर

जुनावई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद सम्भल के थाना जुनावई क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई अवैध कब्जा, धमकी और झूठे मुकदमे में फंसाने की शिकायत के आधार पर की गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बबलू पुत्र देवेंद्र, निवासी नगला अजमेरी, थाना जुनावई, जनपद सम्भल ने थाना जुनावई में तहरीरी शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि कुछ लोग उनके प्लाट पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं, साथ ही उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। इस शिकायत के आधार पर थाना जुनावई में सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार 15 अक्टूबर को थाना जुनावई की पुलिस टीम ने मुकदमे में वांछित तीन अभियुक्तों,काले पुत्र वीर सिंह, मोहित पुत्र श्यामवीर, और श्यामवीर पुत्र वीर सिंह, सभी निवासी ग्राम नगला अजमेरी, थाना जुनावई,को नगला अजमेरी जाने वाले रास्ते पर शिव मंदिर के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने पूरी सतर्कता बरती और अभियुक्तों को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और मामले की गहन जांच की जा रही है। यह कार्रवाई जिले में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में प्रतिनिधि सभा की फिर स्थापना के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

काठमांडू, एजेंसी। प्रतिनिधि सभा के विघटन के खिलाफ नेपाल के सुप्रीम कोर्ट में लगातार रिट दायर हो रहे। कानून व्यावसायियों के अनुसार अब तक 10 रिट पंजीकरण के लिए प्रस्तुत की जा चुकी हैं। मंगलवार सुबह से अधिवक्ता प्रेमराज सिलवाल, कृतिनाथ शर्मा पौडेल, युवराज सफल पौडेल, विपना शर्मा, आयुष बडाल और मकबुल मियां समेत कई अधिवक्ताओं ने ये रिट सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की हैं। रिट में प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की नियुक्ति को असांविधानिक बताया गया है। साथ ही असांविधानिक रूप से नियुक्त प्रधानमंत्री के निर्णयों को रद्द करने की मांग की गई है। रिट में यह भी अनुरोध किया गया है कि प्रधानमंत्री और सरकार के निर्णयों के कार्यान्वयन पर रोक लगाने के लिए अंतरिम आदेश जारी किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार से नई रिट और मामलों का पंजीकरण शुरू किया है, जिसके साथ ही प्रतिनिधि सभा विघटन के खिलाफ ये रिट दाखिल की गई हैं। गौरतलब है कि 9 सितंबर को जेन-जी प्रदर्शन के दौरान सुप्रीम कोर्ट परिसर में आगजनी की घटना हुई थी, जिससे भवन को नुकसान पहुंचा था।

चीनी स्कूल में हिंदी की पढ़ाई, राजदूत ने शिक्षिका को किया सम्मानित

बीजिंग, एजेंसी। चीन में स्कूल स्तर पर पहली बार हिंदी की औपचारिक पढ़ाई शुरू हुई है। इस पहल के शुरू होने पर चीन में भारत के राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर के साथ मिलकर ब्रिटानिका इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की शिक्षिका भव्या मेहता का सम्मान किया। भव्या मेहता कीर्ति चक्र विजेता ब्रिगेडियर रवि दत्त मेहता की बेटी हैं। यह पहल विश्वविद्यालय कार्यक्रमों से परे हिंदी की पहुंच का विस्तार करती है।

चीन का द. कोरियाई कंपनी की 5 अमेरिकी इकाइयों पर प्रतिबंध

बीजिंग, एजेंसी। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने दक्षिण कोरियाई जहाज विनिर्माता हनव्हा ओशन की 5 इकाइयों से चीनी कंपनियों के लेनदेन पर रोक लगा दी है। मंत्रालय ने कहा, वह विश्व जहाज विनिर्माण में चीन के बढ़ते प्रभुत्व की अमेरिका द्वारा की जा रही जांच की तहकीकात कर रहा है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के जहाजों पर नए बंदरगाह शुल्क लगाए हैं।

ब्रिटेन में अब वीजा आवेदकों के लिए कठिन होगी परीक्षा

लंदन, एजेंसी। सरकार ने भारत सहित अन्य देशों के वीजा आवेदकों के लिए अंग्रेजी भाषा की अनिवार्य परीक्षा को मंगलवार को और कठिन बनाने की शर्तें पेश कीं। ब्रिटेन में बढ़ते आव्रजन पर कार्रवाई के तहत संसद में यह प्रस्ताव रखा गया। अंग्रेजी की यह नई परीक्षा ब्रिटेन के गृह विभाग की तरफ से आयोजित होगी। आठ जनवरी, 2026 से सभी कुशल श्रमिकों के लिए आगामी वीजा आवेदन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में परिणामों का सत्यापन किया जाएगा। वीजा आवेदक का अंग्रेजी बोलने, सुनने, पढ़ने और लिखने का स्तर ए-लेवल अथवा 12वीं कक्षा के समकक्ष होना चाहिए, जिसे लेवल बी-2 कहा जाता है।

इक्काडोर की व्यस्त सड़क पर पिकअप ट्रक में विस्फोट, एक की मौत

इक्काडोर, एजेंसी। इक्काडोर के बंदरगाह शहर गुआयाकिल की एक व्यस्त सड़क पर मंगलवार शाम एक पिकअप ट्रक में विस्फोट हो गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हुए। गुआयाकिल अग्निशमन विभाग के मेजर जॉर्ज मोंटेनेरो ने स्थानीय टेलीविजन स्टेशन को बताया कि मारा गया व्यक्ति एक कैब ड्राइवर था, जो कि धमाके वाली जगह के पास में ही था। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस आसपास के इलाके में सभी वाहनों की भी जाँच कर रही है। मोंटानेरो ने कहा, हम एहतियात के तौर पर पूरी इमारत खाली करा रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या यह कार बम हो सकता है, उन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस की जांच का इंतजार करना होगा। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता, लेकिन एक सामान्य कार इस तरह नहीं फटती। 2023 में इक्काडोर में एक राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या के बाद हिंसा बढ़ने के कारण कई कार बम विस्फोट हुए थे। गवर्नर हम्बर्टो प्लाजा ने मंगलवार के विस्फोट को साफ-साफ आतंकवाद बताया और वादा किया कि पुलिस इसके लिए जिम्मेदार लोगों को ढूंढ निकालेगी। उन्होंने कहा, हम इसके जिम्मेदार लोगों को पकड़ेंगे और उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। इन लोगों पर आतंकवाद का मुकदमा चलाया जाएगा।

हमास के लड़ाकों ने गाजा की सड़कों पर फिर मचाया कोहराम, हथियार लहराते हुए बंदियों को ले गए

गाजा, एजेंसी। गाजा में संघर्षविराम के बीच हमास ने सड़कों पर दोबारा नियंत्रण करने की कोशिश की है। इसके लिए अभियान भी चलाया है। इस दौरान हमास के लड़ाकों ने कई संदिग्ध अपराधियों को मार गिराया। हमास ने इसे कानून-व्यवस्था बहाल करने की दिशा में कोशिश बताया है। हालांकि इस कार्रवाई से एक ओर स्थानीय लोगों में राहत की भावना दिखी है, वहीं दूसरी ओर यह संघर्षविराम को अस्थिर करने वाला कदम भी साबित हो सकता है। हमास अब भी अपने हथियार नहीं डालने के फैसले पर अड़ा हुआ है।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि हमास ने कई बुरे गिरोहों को खत्म किया है। ईमानदारी से कहूं तो इससे मुझे कोई आपत्ति नहीं। हालांकि उन्होंने दोहराया कि हमास को अपने हथियार डालने होंगे और अगर नहीं किया तो हम उन्हें निहत्था करेंगे। ट्रंप की मध्यस्थता से लागू संघर्षविराम योजना के तहत हमास को निरस्त्र होकर सत्ता एक अंतरराष्ट्रीय निगरानी निकाय को सौंपनी है, लेकिन वह प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है।

इजरायल के हमलों के बाद पिछले महीनों में गाज़ा में कानून-व्यवस्था लगभग खत्म हो गई थी। हमास के सुरक्षा बलों के हटने के बाद स्थानीय गिरोहों और प्रभावशाली परिवारों ने कब्जा जमाना शुरू कर दिया था, जिन पर मानवीय सहायता लूटने और उसकी कालाबाजारी करने के आरोप हैं। पिछले हफ्ते हमास ने डॉगमश परिवार से जुड़े एक गिरोह पर धावा बोला, जिसमें लगभग दो दर्जन लोग मारे गए। मृतकों में एक स्थानीय पत्रकार और हमास नेता के बेटे के भी शामिल होने की खबर है।

हमास से जुड़े टेलीग्राम चैनलों ने दावा किया कि मारे गए लोग सहयोगी और गद्दार थे जो इजरायल से मिले हुए थे। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में हमास बलों को आठ लोगों को सरेआम गोली मारते हुए दिखाया गया। इस घटना की मानवाधिकार संगठनों (अल मेजान सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स और पैलेस्टीनियन इंडिपेंडेंट कमीशन फॉर ह्यूमन राइट्स) ने कड़ी निंदा की है।

कई नागरिकों ने इस कार्रवाई को सामान्य जीवन की शुरुआत कहा है। उत्तरी गाजा के एक स्वास्थ्यकर्मी सईद अबू एलाइश ने कहा, हमने दो साल बाद पुलिस को सड़कों पर देखा है। कुछ सुरक्षा लौटती दिख रही है। वहीं, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संकेत दिया है कि अगर हमास ने शांतिपूर्ण तरीके से हथियार नहीं डाले तो सैन्य कार्रवाई फिर शुरू की जा सकती है। हमास के गृह मंत्रालय ने एक सप्ताह के लिए आम माफी की घोषणा की है, जिसमें कहा गया है कि जिन गिरोह सदस्यों का हाथ हत्या में नहीं है वे आत्मसमर्पण कर अपना रिकॉर्ड साफ कर सकते हैं। कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक सुरक्षा या नागरिकों के अधिकारों से खिलवाड़ नहीं करेगा। यह अंतिम चेतावनी है। हमास का कहना है कि वह रॉकेट जैसे आक्रामक हथियार सौंप सकता है, लेकिन आत्मरक्षा के लिए हल्के हथियार रखना चाहता है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर ये गिरोह और हमास दोनों हथियारबंद बने रहे तो गाज़ा में युद्धविराम से शांति तक का सफर बहुत कठिन हो सकता है।

टाइम मैगजीन के कवर पर छपी अपनी फोटो को लेकर हुए नाराज डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टाइम मैगजीन के कवर पर छपी अपनी फोटो को लेकर नाराज हैं। उन्होंने इसे अब तक की सबसे घटिया तस्वीर बताते हुए नाराजगी व्यक्त की है। ट्रुथ सोशल पर अपनी भड़ास निकालते हुए ट्रंप ने कहा कि मैगजीन ने उनके बारे में तो बेहतरीन लेख छापा है, लेकिन साथ ही शायद अब तक की सबसे खराब फोटो भी लगा दी। ट्रंप ने आगे कहा कि इस फोटो में उनके बालों को गायब कर दिया गया है और सिर के ऊपर एक विचित्र सी चीज तैरती हुई दिख रही है, जो किसी छोटे से मुकुट जैसी लगती है। यह बेहद अजीबोगरीब है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि उन्हें कभी नीचे से ली गई फोटो पसंद नहीं आई, लेकिन यह तो बेहद खराब है। इसे जरूर बताना चाहिए ताकि वे समझ सकें कि वे क्या कर रहे हैं। दरअसल, टाइम के कवर पर ट्रंप आत्मविश्वास से भरी नजरों से आगे देखते नजर आ रहे हैं, और इसका कैप्शन है- हिज ट्रायम्फ यानी उनकी जीत। यह मिडिल ईस्ट में ट्रंप की सफलता को दर्शाता है। उन्हें गाजा में युद्धविराम कराने और इजरायल व फिलिस्तीनी उग्रवादी संगठन हमास के बीच बड़े पैमाने पर बंधक-कैदी एक दूसरे को सौंपे गए। यह कवर फोटो गाजा युद्धविराम समझौते की सफलता और उसके बाद मिस्र के लाल सागर के रिसॉर्ट शर्म अल-शेख में हुए हस्ताक्षर की पृष्ठभूमि में आई है। इस घटना के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत कई वैश्विक नेता ट्रंप को 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने की मांग कर रहे हैं। ट्रंप इस साल का नोबेल शांति पुरस्कार हासिल करने से चूक गए थे, जो वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को मिला। अमेरिकी राष्ट्रपति का दावा है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान संघर्ष समेत आठ युद्धों को समाप्त कराया है। गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है जब ट्रंप ने टाइम मैगजीन पर तंज कसा हो। फरवरी में उन्होंने मैगजीन का मजाक उड़ाया था।

मैक्सिको में बाढ़ से पूरा गांव बहा, 60 से ज्यादा लोगों की मौत, दर्जनों अभी भी लापता

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको में बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही मची हुई है। बाढ़ के चलते 400 लोगों का एक पूरा गांव नक्शे से साफ हो गया है और कई इलाकों का संपर्क टूट गया है। लोग ऊंचे इलाकों पर फंसे हुए हैं और उन्हें सुरक्षित निकाला जा रहा है। सेना के हजारों जवान और नागरिक कार्यकर्ता लोगों को बचाने और सड़कों को फिर से शुरू करने के काम में जुटे हैं। मैक्सिको सरकार ने पुष्टि की है कि बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 64 लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों अभी लापता हैं। एक पीड़िता ने बताया कि कुछ नहीं बचा, सबकुछ तबाह हो गया। पुल, मकान, सड़कें सबकुछ चला गया है।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि दूर-दराज के इलाकों में सैंकड़ों से लेकर हजारों तक लोग लापता हैं और भारी तबाही की आशंका है। मैक्सिको के पश्चिमी तट पर दो उष्णकटिबंधीय तूफानों के मिलने की वजह से मैक्सिको में भारी बारिश हुई। इससे नदियां उफान पर हैं और पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन हो रहा है। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने बताया कि सरकार की प्राथमिकता सड़कों को फिर से खोलना और हवाई ब्रिजों को सुरक्षित करना है, जिससे लोगों को राशन की आपूर्ति हो सके और उन्हें सुरक्षित बचाया जा सके।

तीन राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित : सरकार और सेना द्वारा लोगों को बचाने की भरसक कोशिश की जा रही है, लेकिन कई लोगों ने मिलकर खुद ही बचाव की कोशिशें शुरू कर दी हैं। कई लोगों ने अमेरिका में रहने वाले अपने रिश्तेदारों से मदद मांगी है, जिन्होंने किराए पर हेलीकॉप्टर लेकर लोगों को बचाया। दरअसल भारी तबाही से कई इलाके संपर्क से कट गए हैं और वहां पहुंचने के लिए सेना के जवानों को पहुंचने के लिए 6-7 घंटे पैदल चलकर जाना पड़ रहा है। मैक्सिको के वेराक्रूज, हिडाल्गो और पुएबला राज्यों में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। हिडाल्गो में ही करीब एक लाख घर तबाह हुए हैं। वेराक्रूज में 29 लोगों की मौत हुई है। वेराक्रूज में बीते चार दिनों में 24 इंच बारिश हुई है। वेराक्रूज के गवर्नर ने बताया कि राज्य में करीब तीन लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

चार्ली किर्क की हत्या पर टिप्पणी करना पड़ा भारी, अमेरिकी सरकार ने छह विदेशियों के वीजा रद्द किए

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग ने मंगलवार को छह विदेशियों के वीजा रद्द कर दिए क्योंकि इन लोगों ने रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या के बारे में सोशल मीडिया पर टिप्पणी की थी। वीजा रद्द करने की यह घोषणा ऐसे समय में की गई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किर्क को मरणोपरांत अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित किया। यह सम्मान किर्क के 32वें जन्मदिन पर दिया गया।

अमेरिकी विदेश विभाग ने जारी किया बयान : अमेरिकी विदेश विभाग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में कहा, अमेरिका उन विदेशियों की मेजबानी करने के लिए बाध्य नहीं है जो अमेरिकियों की मृत्यु की कामना करते हैं। जिन लोगों के वीजा रद्द किए गए हैं, उनमें दक्षिण अफ्रीका, अर्जेंटीना, मेक्सिको, ब्राजील, जर्मनी और पेराग्वे के लोग शामिल हैं। विदेश विभाग ने बताया कि अर्जेंटीना के जिस नागरिक का वीजा रद्द किया गया है, उसने चार्ली किर्क पर नस्लवादी, जेनोफोबिक (विदेशियों से नफरत करने वाला), स्त्री द्वेषी बयानबाजी प्रसारित करने का आरोप लगाया था। वहीं जर्मनी के व्यक्ति ने लिखा कि जब फासीवादी मरते हैं तो डेमोक्रेट शिकायत नहीं करते।

अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही ट्रंप सरकार : चार्ली किर्क की बीते महीने यूटा यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। चार्ली किर्क दक्षिणपंथ समर्थक और राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी थे। अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि वे चार्ली किर्क की हत्या पर खुशी जताने वाले लोगों की पहचान कर रहे हैं। जनवरी में सत्ता पर काबिज होने के बाद से ही ट्रंप प्रशासन द्वारा अवैध अप्रवासियों को निशाना बनाया जा रहा है। साथ ही सोशल मीडिया पर की जाने वाली टिप्पणियों को लेकर भी निशाना बनाया जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को अपने करीबी चार्ली किर्क को मरणोपरांत अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम प्रदान किया। साथ ही ट्रंप ने किर्क को सत्य और स्वतंत्रता के लिए शहीद बताया। ट्रंप ने किर्क की तुलना सुकरात, सेंट पीटर, अब्राहम लिंकन और मार्टिन लूथर किंग से की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित इस समारोह में यह भी संकल्प लिया कि वे कट्टरपंथी वामपंथी समूहों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को दोगुना कर देंगे, जिसे उन्होंने किर्क की गोलीबारी के बाद शुरू किया था।

डोनाल्ड ट्रंप का शटडाउन पर बड़ा एलान- हम डेमोक्रेट पार्टी के शुरू किए सरकारी कार्यक्रमों को बंद कर रहे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शटडाउन के बीच डेमोक्रेट्स पार्टी के सपोर्ट से होने वाले प्रोग्राम को बंद करने का एलान किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार प्रशासन की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं और बंद होने वाले कार्यक्रमों की सूची भी जल्द जारी होने की सूचना है। डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (14 अक्तूबर) को घोषणा करते हुए कहा कि प्रशासन चल रहे सरकारी शटडाउन का इस्तेमाल डेमोक्रेट समर्थित संघीय कार्यक्रमों को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बंद होने वाले कार्यक्रमों की सूची शुक्रवार को जारी की जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में कहा, शटडाउन के कारण डेमोक्रेट्स की हार हो रही है, क्योंकि हम उन डेमोक्रेट कार्यक्रमों को बंद कर रहे हैं, जिनका हम विरोध करते थे और अब किसी कीमत पर वापस नहीं आने दिया जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने बयान में आगे कहा कि इसलिए हम वो काम कर पा रहे हैं, जो हम पहले नहीं कर पाते थे। हम उन डेमोक्रेट कार्यक्रमों को बंद कर रहे हैं, जिन्हें हम बंद करना चाहते थे या जिन्हें हम कभी नहीं होने देना चाहते थे, और अब हम उन्हें बंद कर रहे हैं, और हम उन्हें वापस नहीं आने देंगे।

रिपब्लिकन कार्यक्रम बंद नहीं होंगे- ट्रंप : बंद होने वाले कार्यक्रमों में ऐसे कई कार्यक्रम शामिल हैं, जिन्हें डोनाल्ड ट्रंप ने समाजवादी और अर्ध-साम्यवादी करार दिया है। व्हाइट हाउस से बोलते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इस सूची में कई ऐसे कार्यक्रम शामिल होंगे, जिन्हें उन्होंने समाजवादी और अर्ध-कम्युनिस्ट बताया है। उन्होंने कहा, हम शुक्रवार को इनकी एक सूची जारी करेंगे, जिसमें कुछ सबसे गंभीर समाजवादी, अर्ध-साम्यवादी शायद पूर्ण साम्यवादी नहीं, हम इसे न्यूयॉर्क के लिए बचा रहे हैं, लेकिन अर्ध-साम्यवादी कार्यक्रमों को बंद किया जाएगा, और हम उन्हें बंद कर रहे हैं। हम रिपब्लिकन कार्यक्रमों को इसलिए बंद नहीं कर रहे हैं क्योंकि हमें लगता है कि वे कारगर हैं।

हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाला : इससे पहले मंगलवार को व्हाइट हाउस के प्रबंधन एवं बजट कार्यालय ने कहा था कि वह अतिरिक्त कर्मचारियों की संख्या में कटौती या आरआईएफ के साथ बंद को खत्म करता रहेगा। यह कदम इस बात का संकेत है कि ट्रम्प प्रशासन संघीय कर्मचारियों की संख्या में कटौती जारी रखने की योजना बना रहा है, क्योंकि पिछले हफ्ते सात संघीय एजेंसियों के हजारों कर्मचारियों को उनकी नौकरी जाने की सूचना दी गई थी।

पाकिस्तान-अफगान में फिर हिंसक झड़प, तालिबान का दावा- 7 पाक सैनिक मारे

काबुल/ इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सुरक्षा बलों और अफगान तालिबान के बीच मंगलवार रात को फिर झड़पें हुईं। एपी के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में सीमा पर दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया है। इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी थी कि अफगानिस्तान के साथ दुश्मनी भरा माहौल है। इस्लामाबाद और काबुल में किसी भी वक्त संघर्ष शुरू हो सकता है। आसिफ ने कहा था, संघर्ष की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। अगर अफगानिस्तान धमकी देता है, तो हम तुरंत जवाब देंगे। इस लड़ाई में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के पोस्ट पर कब्जा करने का दावा किया है। साथ ही टैंकों के नुकसान की भी खबर है। पाकिस्तानी सरकारी मीडिया ने तालिबान पर बिना उकसावे के पहली गोली चलाने का आरोप लगाया। वहीं, अफगानिस्तान समर्थित सोशल हैंडल ने दावा किया कि अफगान सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान में उन जगहों को निशाना बनाया है जहां से अफगानिस्तान के लिए खतरा पैदा होता है। इसके साथ ही 7 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने की भी बात कही। पाकिस्तान का दावा- तालिबान चौकियों को भारी नुकसान पाकिस्तान ने सूत्रों ने दावा किया है कि पाकिस्तान के हमले में कई तालिबान चौकियों को भारी नुकसान पहुंचा और उनकी चौकियों से आग की लपटें उठती देखी गई पाकिस्तानी पीटीवी न्यूज ने बताया, अफगान तालिबान और फितना अल-खवारिज ने कुर्रम में बिना वजह गोलीबारी की। पाकिस्तानी सेना ने पूरी ताकत से जवाब दिया।

दावा किया गया कि पाकिस्तान की जवाबी गोलीबारी में एक तालिबानी टैंक नष्ट हो गया, जिससे हमलावर अपनी चौकियां छोड़कर इलाके से भागने पर मजबूर हो गए। वहीं, काबुल का दावा है कि वह अपनी हवाई सीमा और संप्रभुता के उल्लंघन का जवाब दे रहा है। पाकिस्तानी सेनाएं हाई अलर्ट पर सूत्रों के अनुसार पाकिस्तानी सेनाएं हाई अलर्ट पर हैं और किसी भी हमले का जवाब देने के लिए पूरी तरफ से तैयार है। वहीं अफगानिस्तान समर्थित वॉर ग्लोब न्यूज ने एक वीडियो जारी करते हुए दावा किया कि तालिबान के एक ड्रोन ने पख्तूनख्वा के सीमावर्ती इलाकों में एक पाकिस्तानी सैन्य अड्डे पर विस्फोटक किया।

शेरबहादुर देउबा ने छोड़ी नेपाली कांग्रेस की कार्यकारी जिम्मेदारी, पूर्णबहादुर खड़का को सौंपी कमान

काठमांडू, एजेंसी। करीब एक दशक तक नेपाली कांग्रेस का नेतृत्व संभालने वाले और पांच बार नेपाल के प्रधानमंत्री बने शेरबहादुर देउबा ने मंगलवार से औपचारिक रूप से पार्टी की कार्यकारी भूमिका से विदाई ली है। आगामी 15वें महाधिवेशन में कांग्रेस पार्टी का विधान उन्हें दोबारा उम्मीदवार बनने की अनुमति नहीं देता। हालांकि, देउबा ने खुद केंद्रीय कार्य समिति की बैठक में घोषणा की कि अब वह सभापति पद के लिए उम्मीदवार नहीं होंगे।

महाधिवेशन संपन्न कराने की जिम्मेदारी उन्होंने उप सभापति पूर्णबहादुर खड़का को सौंपी है, जो अब कार्यकारी सभापति के रूप में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। जिम्मेदारी हस्तांतरित करते हुए देउबा ने स्पष्ट संकेत दिया कि वे अब पूर्ण रूप से कार्यकारी भूमिका से अलग हो चुके हैं। नेपाल मे जेनजी आंदोलन के कारण देश की राजनीति में आई हलचल ने देउबा को समय पूर्व नेतृत्व से विदा होने के लिए बाध्य किया। आंदोलन से पहले उनकी योजना थी कि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले)-नेपाली कांग्रेस, गठजोड़ के तहत जून 2026 में छठी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बनने के बाद ही कांग्रेस पार्टी की महाधिवेशन कराएं। आंदोलन के बाद उन्होंने सुरक्षित रास्ता अपनाते हुए नेतृत्व हस्तांतरण का निर्णय लिया। परंतु पार्टी के भीतर बढ़ते दबाव ने उन्हें तुरंत पद छोड़ने की स्थिति में ला खड़ा किया। कांग्रेस के महासचिव विश्वप्रकाश शर्मा और गगन थापाले सार्वजनिक रूप से देउबा से नेतृत्व

त्यागने का आग्रह किया था।

देउबा अब भी पार्टी सभापति, लेकिन कार्यकारी भूमिका समाप्त हो गई : 52 प्रतिशत से अधिक महाधिवेशन प्रतिनिधियों ने विशेष महाधिवेशन की मांग पर हस्ताक्षर भी किए, जिससे पार्टी के भीतर परिवर्तन की लहर और तेज हुई। बढ़ते दबाव के बीच देउबा ने अंततः कार्यकारी पद से हटने का निर्णय लिया। तकनीकी रूप से देउबा अब भी पार्टी सभापति हैं, लेकिन कार्यकारी रूप में उनकी भूमिका समाप्त हो गई है। छह दशक से अधिक लंबे राजनीतिक जीवन में यह उनका कार्यकारी पद पर आखिरी दिन माना जा रहा है। देउबा पांच बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। हालांकि, बार बार सत्ता में आने के बावजूद उनकी कार्यशैली और उपलब्धियों पर सवाल उठते रहे। आलोचकों ने उन पर सुशासन स्थापित न कर पाने और राजनीतिक अव्यवस्था बढ़ाने का आरोप लगाया है।

अपने प्रधानमंत्रित्व काल की उपलब्धियों को किया याद : केंद्रीय कार्य समिति के बैठक में लिखित वक्तव्य के माध्यम से देउबा ने अपने प्रधानमंत्रित्व काल की उपलब्धियों को याद किया और आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा, - मुझे पांच बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला, भले ही कार्यकाल छोटे रहे। अधिकांश समय मैंने चुनावी सरकारों का नेतृत्व किया, लेकिन कई क्षेत्रों में सुधार की दिशा में हमने महत्वपूर्ण कदम उठाए। देउबा के विदा लेने के बावजूद पार्टी के भीतर यह संशय बना हुआ है कि उनके सहयोगियों के प्रभाव में विधान द्वारा तय समय सीमा के भीतर महाधिवेशन होगा या नहीं। कई कांग्रेस नेताओं का मानना है कि उनके आसपास मौजूद गुटबंदी अब भी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एकदिवसीय में रोहित, विराट सहित इन खिलाड़ियों का खेलना तय

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम अभी एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया में है। भारतीय टीम को पहला एकदिवसीय 19 अक्टूबर को पर्थ में खेलना है। इसके लिए भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की जगह तय मानी जा रही है। ये दोनो ही बल्लेबाज करीब छह महीने के बाद खेलते नजर आयेंगे।

पहले एकदिवसीय में पारी की शुरुआत रोहित और कप्तान शुभमन गिल करेंगे।

ऐसे में यशस्वी जायसवाल को पहले मैच में बाहर बैठना पड़ेगा। वहीं नंबर 3 पर विराट उतरेंगे। ऑस्ट्रेलिया में उछाल भरी पिचों को देखते हुए विराट से अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद है। विराट के एकदिवसीय रिकॉर्ड की बात करें तो उन्होंने 302 मैचों की 290 पारियों में 14181 रन बनाए हैं। वह केवल 54 रन बनाते ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच जाएंगे। अभी श्रीलंका के कुमार संगाकारा दूसरे नंबर पर हैं।

वहीं चौथे नंबर पर श्रेयस अय्यर उतरेंगे। श्रेयस भी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम से बाहर हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। विकेट कीपर के तौर पर केएल राहुल खेलेंगे। वह 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। छठे नंबर पर ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी उतरेंगे। वह डेथ ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं। वहीं अगर शुरूआती विकेट जल्दी गिर गए तो संभलकर भी खेल सकते हैं। वह स्पिन और तेज गेंदबाजी को भी अच्छे से खेलते हैं। इसके अलावा वह मध्यम तेज गति के गेंदबाज हैं।

वहीं स्पिनर के तौर पर अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को शामिल किया जाएगा।

तेज गेंदबाजी की कमान मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के पास रहेगी।

संभावित अंतिम 11

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा।

ओलंपिक चैंपियन तैराक एरियन टिटमस ने संन्यास की घोषणा की

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता एरियन टिटमस ने तैराकी से संन्यास लेने की घोषणा कर खेल प्रेमियों को चौंका दिया है। 25 वर्षीय टिटमस ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद ब्रेक लिया था, लेकिन उम्मीद की जा रही थी कि वह 2028 में लॉस एंजेलिस ओलंपिक की तैयारी के लिए प्रतिस्पर्धी तैराकी में लौटेंगी।

टिटमस ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर कहा, %मुझे तैराकी शुरू से पसंद रही है। जब मैं छोटी थी, तब से यह मेरा जुनून रहा है। लेकिन अब मुझे लगता है कि मेरे जीवन में कुछ चीजें तैराकी से थोड़ी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई हैं, और मुझे इसे स्वीकार करना चाहिए।%

पेरिस ओलंपिक 2024 में टिटमस ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में अमेरिका की केटी लेडेकी और कनाडा की समर मैकिन्टोश को पीछे छोड़ते हुए नया विश्व रिकॉर्ड बनाकर अपना खिताब बरकरार रखा। इसके अलावा, उनके नाम पर 200 मीटर फ्रीस्टाइल का भी विश्व रिकॉर्ड दर्ज है।

टिटमस ने अपने करियर में 33 अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं, जिनमें ओलंपिक में 4 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य शामिल हैं, साथ ही उन्होंने चार विश्व खिताब भी अपने नाम किए हैं।

अभिषेक शर्मा और स्मृति मंधाना आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और स्मृति मंधाना को क्रमशः एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वनडे श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद सितंबर के लिए आईसीसी के महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अभिषेक ने इस दौरान सात मैच में 44.85 के औसत और 200 के शानदार स्ट्राइक-रेट से 314 रन बनाए।

एशिया कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट% चुने गए 25 वर्षीय इस खिलाड़ी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में अब तक के अपने सर्वोधिक रेटिंग अंक भी हासिल किए। उन्होंने टीम के अपने साथी कुलदीप यादव और जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट को पछाड़कर महीने के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का गौरव पाया।

अभिषेक ने कहा, 'आईसीसी का यह पुरस्कार जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है और मुझे खुशी है कि यह मुझे कुछ महत्वपूर्ण मैचों के लिए मिला है जिनमें मेरी मदद से जीत संभव हो सकी। मुझे उस टीम का हिस्सा होने पर फक्र है जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी जीत दिला सकती है। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हमारा हालिया रिकॉर्ड हमारी बेहतरीन टीम संस्कृति और सकारात्मक सोच को दर्शाता है।'

वहीं मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया और तीन मैचों में 58, 117 और 125 रन बनाए। भारतीय महिला टीम की उप-कप्तान ने इस दौरान चार एकदिवसीय मैचों में 77 के औसत और 135.68 के स्ट्राइक रेट से 308 रन बनाए।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में भारत के अभियान की तैयारी में जुटी मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के दौरान किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज शतक लगाया, जब उन्होंने तीसरे मैच में सिर्फ 50 गेंदों पर शतक पूरा किया। दक्षिण अफ्रीका की तजमीन ब्रिट्स और पाकिस्तान की सिदरा अमीन भी इस पुरस्कार की दौड़ में शामिल थीं। मंधाना ने कहा, 'इस तरह का सम्मान एक खिलाड़ी के रूप में आपको आगे बढ़ने और अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है। मेरा लक्ष्य हमेशा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर टीम के लिए मैच जीतना रहा है।'

महिला विश्व कप क्रिकेट में आज दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका में होगी टक्कर

कोलंबो (एजेंसी)। महिला विश्वकप एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में शुक्रवार को मेजबान श्रीलंकाई टीम का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। श्रीलंकाई टीम के पास इस मैच जीत हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश करने का अवसर है। श्रीलंका को दो मैच रद्द होने के कारण अभी तक दो अंक ही मिले हैं और वह चार मैचों के बाद अंक तालिका में सबसे नीचे हैं। ऐसे में उसके लिए ये मैच जीतना बेहद जरुरी है। इस मैच में बारिश बाधा बन सकती है अगर ऐसा हुआ तो श्रीलंकाई टीम के लिए सेमीफाइनल में पहुंचना कठिन हो जाएगा।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले मैच में बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया था पर बारिश के कारण उसके हाथ आया मैच निकल गया था। तब उस मैच में कप्तान चमारी अटापट्टू और नीलक्षिका सिल्वा ने अर्धशतक लगाकर टीम की जीत तय कर दी थी।

अब श्रीलंकाई टीम को उम्मीद रहेगी की ये दोनो ही खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन करें। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम ने भारत और बांग्लादेश को करीबी मैचों में हराया था और इससे उसका मनोबल बढ़ा है। उसे टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी पर उसके बाद उसने न्यूजीलैंड, भारत और बांग्लादेश को हराकर जबरदस्त वापसी की।

भारत और बांग्लादेश के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की ओर से नादिन डी क्लार्क ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। जिससे अब श्रीलंकाई टीम को बचना होगा। दक्षिण अफ्रीका की अब तक की कमजोरी शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का अच्छी शुरुआत के बाल भी लंबी पारी नहीं खेल पाना है। ऐसे में अगर उसे जीत हासिल करनी है तो उसके सभी बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका: चमारी अटापट्टू (कप्तान), हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, कविशा दिलहारी, नीलाक्षी डी सिल्वा, अनुष्का संजीवनी, इमेशा दुलानी, देवमी विहंगा, पिउमी वाथसाला, इनोका राणावीरा, सुगंधिका कुमारी, उदेशिका प्रबोदानी, मल्की मदारा, अचिनी कुलसुरिया।

दक्षिण अफ्रीका: लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), ताज़मिन ब्रिट्स, एनेरी डर्कसन, मारिज़ैन कप्प, एनेके बॉश, सिनालो जाफ़्टा (विकेटकीपर), क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लार्क, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, नॉनकुलुलेको म्लाबा, सुने लुस, तुमी सेखुसोनगेस, नोंदुआबोमिसो म्लाबा।

लियोनेल मेसी ने तोड़ा नेमार का बड़ा रिकॉर्ड, अर्जेंटीना की 6-0 की जीत में रचा इतिहास

स्पोर्ट्स डेस्क। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने एक और ऐतिहासिक माइलस्टोन हासिल कर लिया है। उन्होंने प्योर्टो रिको के खिलाफ हुए फ्रेंडली मैच में दो शानदार असिस्ट दिए और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा असिस्ट करने वाले खिलाड़ी बन गए, नेमार को पीछे छोड़ते हुए।

इंटर मियामी स्टार मेसी ने इस मुकाबले में अर्जेंटीना को 6-0 की शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पहले हाफ में गोंजालो मोंटियल को असिस्ट दिया और फिर दूसरे हाफ में लौतारो मार्टिनेज के लिए पास बनाकर अपनी टीम का छठा गोल कराया। अब मेसी के नाम अर्जेंटीना के लिए 60 असिस्ट और 114 गोल दर्ज हैं। वहीं नेमार ने ब्राजील के लिए 59 असिस्ट किए थे। इस प्रदर्शन के साथ मेसी के क्लब और देश मिलाकर कुल 398 असिस्ट हो चुके हैं, और वे जल्द ही 400 असिस्ट का ऐतिहासिक आंकड़ा छू सकते हैं।

मैच के बारे में मेसी ने कहा, 'टीम के साथ खेलना हमेशा सम्मान की बात होती है, और रिकॉर्ड्स तभी मायने रखते हैं जब वे जीत में बदलें।'

हाल में संन्यास लेने वालों को ही बनाया जाये चयनकर्ता : रहाणे

मुम्बई। बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि हाल में संन्यास लेने वाले प्रथम श्रेणी खिलाड़ियों को ही राज्यों की चयन समिति में अवसर मिलना चाहिये। रहाणे के अनुसार ये इसलिए क्योंकि वे खेल के बदलते स्वरूप को आसानी से समझ सकते हैं। अभी चयन समिति के लिए कम से कम प्रथम श्रेणी के 10 मैचों का अनुभव जरुरी होता है। इसके अलावा उसके संन्यास लिए हुए पांच साल हो गये हों। वहीं रहाणे ने कहा कि यह जरुरी है कि चयनकर्ताओं की मानसिकता और रवैया क्रिकेट की वर्तमान गति से मेल खाता हुआ हो। रहाणे ने पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा के साथ बातचीत के दौरान कहा, ''खिलाड़ियों को चयनकर्ताओं से डरना नहीं चाहिए। मैं चयनकर्ताओं के बारे में बात करना चाहता हूं, खासकर घरेलू क्रिकेट में। हमारे पास ऐसे चयनकर्ता होने चाहिए जिन्होंने हाल में शीर्ष स्तर की क्रिकेट से संन्यास लिया हो।'' उन्होंने कहा, ''क्योंकि क्रिकेट जिस तरह से विकसित हो रहा है, मुझे लगता है कि यह बहुत जरूरी है कि चयनकर्ताओं की मानसिकता और सोच आज के दौर की हो। वहीं 20 से 30 साल पहले क्रिकेट कैसे खेला जाता था, इसके आधार पर अभी फैसले नहीं लिए जा सकते।'' उन्होंने कहा, ''टी20 और आईपीएल जैसे प्रारूपों में आधुनिक क्रिकेट खिलाड़ियों की शैली को समझना जरूरी है। मेरा मानना है कि जहां तक संभव हो, चयनकर्ता सभी राज्यों से होने चाहिए और खिलाड़ियों को मैदान पर आजादी से निडर होकर क्रिकेट खेलना चाहिए।'' वहीं पुजारा ने कहा, ''बड़े राज्यों में इसे लागू किया जा सकता है क्योंकि उनके पास बहुत सारे विकल्प हैं। इसलिए जहां तक संभव हो मैं इस बात से सहमत हूं कि इसे लागू किया जा सकता है पर इसका मतलब यह है कि किसी भी पूर्व क्रिकेटर को इस मौके से वंचित कर दिया जाना चाहिए क्योंकि वह बहुत पहले ही संन्यास ले चुका है जिसका रिकॉर्ड शानदार रहा है और जो अब चयनकर्ता बनना चाहता है।''

सुल्तान ऑफ जोहोर कप : ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 4-2 से हराया, तीसरे क्वार्टर में बदला मैच का रुख

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2025 के पूल-स्टेज के चौथे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से कप्तान रोहित (22') और अर्शदीप सिंह (60') ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए ऑस्कर स्मूल (39', 42'), एंड्रयू पैट्रिक (40') और कप्तान डिलन डाउनी (51') ने गोल दागे।

पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन भारत ने गेंद पर बेहतर नियंत्रण रखते हुए खेल की गति तय की। शुरुआती पलों में ऑस्ट्रेलिया को गोल करने का मौका मिला, मगर गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने शानदार बचाव किया।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने 17वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन अनमोल एक्का का प्रयास बार के ऊपर चला गया। 22वें मिनट में मिले दूसरे कॉर्नर पर कप्तान रोहित ने सटीक हिट लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। 25वें मिनट में अमीर अली ने शानदार सोलो रन के बाद शॉट लिया, जिसे ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर ने रोका।

तीसरे क्वार्टर में मैच का रुख पलट गया – ऑस्ट्रेलिया ने लगातार तीन गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। 39वें मिनट में ऑस्कर स्मूल ने बराबरी का गोल किया, उसके तुरंत बाद (40') एंड्रयू पैट्रिक ने रिबाउंड पर दूसरा गोल दागा। 42वें मिनट में स्मूल ने फिर शानदार बैकहैंड शॉट से अपना दूसरा गोल किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया 3-1 से आगे निकल गया।

49वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन कप्तान रोहित का शॉट चूक गया। 51वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान डिलन डाउनी ने अपनी टीम का चौथा गोल दागा। मैच के आखिरी मिनट में अर्शदीप सिंह ने शानदार डिफ्लेक्शन से भारत के लिए दूसरा गोल किया, जिससे मुकाबला 2-4 पर समाप्त हुआ। अब भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को मेज़बान मलेशिया से होगा।

डेनमार्क ओपन 2025 : लक्ष्य सेन और सत्विक-चिराग ने प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

कोपेनहेगन। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और पुरुषों की डबल्स जोड़ी सत्विकसायराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने डेनमार्क ओपन 2025 के प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य सेन ने आयरलैंड के नाथ गुयेन को 10-21, 21-8, 21-18 से हराया, जबकि सत्विक-चिराग ने स्कॉटलैंड की जोड़ी क्रिस्टोफर और मैथ्यू ग्रिमली को 17-21, 21-11, 21-17 से मात दी। लक्ष्य सेन, जो पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट हैं, ने पहले गेम में धीमी शुरुआत की और 10-21 से हार गए। लेकिन दूसरे गेम में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए केवल 8 पॉइंट्स गंवाए और मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन लक्ष्य सेन ने अपने आत्मविश्वास का परिचय देते हुए मैच अपने नाम किया। यह लक्ष्य सेन की नाथ गुयेन के खिलाफ चौथे मैचों में से तीसरी जीत है। पुरुषों की डबल्स में, छठे सीड सत्विक-चिराग ने पहले गेम में हार के बावजूद दूसरे गेम में वापसी की और निर्णायक गेम में शानदार प्रदर्शन कर प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। यह मैच 1 घंटे 4 मिनट तक चला। दूसरी ओर, मोहित और लक्षिता जगलान को मिक्स्ड डबल्स में इंडोनेशिया की जोड़ी अद्नान मौलाना और इंदाह चहया सरी जामिल के खिलाफ 21-14, 21-11 से हार का सामना करना पड़ा और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। सत्विक-चिराग, जिन्होंने पिछले महीने हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स में लगातार उपविजेता स्थान हासिल किया था, इस बार बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हैं।

सलमान आगा से छीनेगी कप्तानी, अनुभवी ऑलराउंडर को मिल सकती है पाकिस्तान टी20 टीम की कमान

कराची। अनुभवी ऑलराउंडर शादाब खान को सलमान अली आगा की जगह पाकिस्तान की टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान की तरफ से अब तक 70 एकदिवसीय और 112 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा ले चुके शादाब ने इस साल के शुरू में लंदन में अपने कंधे की सर्जरी कराई थी इसके बाद वह खेल से बाहर हैं। शादाब हालांकि अब फिट हैं और वह अगले महीने वापसी कर सकते हैं। उनकी वापसी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि वह सलमान की जगह राष्ट्रीय टी20 कप्तान बन सकते हैं। सर्जरी से पहले वह इस प्रारूप में उप-कप्तान थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि शादाब 11 से 15 नवंबर के बीच श्रीलंका के खिलाफ द्विपक्षीय घरेलू श्रृंखला में वापसी करेंगे, क्योंकि उनका रिहैब अच्छा चल रहा है। अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान सलमान की अगुवाई में एशिया कप में खेला था जहां उसे फाइनल में भारत से हार का सामना करना पड़ा था।

वनडे कप्तानी से हटने के बाद रोहित शर्मा को कैसे हो सकता है फायदा, पूर्व स्पिनर अमित मिश्रा ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय लेग स्पिनर अमित मिश्रा का मानना है कि कप्तानी के बोझ से मुक्त होना सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली वनडे सीरीज़ में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए बेहद फ़ायदेमंद साबित हो सकता है। मिश्रा का कहना है कि अब रोहित पूरी तरह अपनी बल्लेबाज़ी पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं और गिल के नेतृत्व में टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

रोहित की कप्तानी का अंत और गिल की नई शुरुआत

7 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत के अपराजित अभियान का अंत एक परीकथा की तरह हुआ, जब रोहित शर्मा ने 76(83) रनों की शानदार पारी खेलकर प्लेयर ऑफ़ द मैच का पुरस्कार जीता। यह वनडे में रोहित का आखिरी कप्तानी प्रदर्शन था, क्योंकि चयनकर्ताओं ने शुभमन गिल को नई कप्तानी सौंपने का फैसला किया। गिल की कप्तानी की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया में होने वाले तीन वनडे मैचों से हुई।

पूर्व कप्तान रोहित अब केवल सलामी बल्लेबाज़ के रूप में खेलेंगे, जिससे उनके प्रदर्शन पर सीधे ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा। मिश्रा ने कहा, 'रोहित के लिए यह अच्छी बात है कि अब उन पर कप्तानी का दबाव नहीं है। उन्हें अपनी बल्लेबाज़ी पर ध्यान देना होगा और टीम को जीत दिलाने में मदद करनी होगी। वह गिल की मदद भी कर सकते हैं, खासकर रणनीतिक और मानसिक मामलों में।'

गिल की कप्तानी में चुनौती और अवसर

26 वर्षीय शुभमन गिल को इंग्लैंड के पांच मैचों के कठिन टेस्ट दौरे के लिए कप्तानी सौंपी गई थी। मिश्रा ने गिल की क्षमता की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी युवा उम्र में नेतृत्व लेना उन्हें जल्दी परिपक्व बना देगा। गिल ने टेस्ट सीरीज़ में 754 रन बनाए, जिसमें उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी 269 रन रही और सीरीज़ 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई।

मिश्रा ने कहा, 'गिल के लिए जल्दी कप्तानी सौंपी जाना अच्छा है। 'वह पिछले दो सालों से आईपीएल में कप्तानी कर रहे हैं और दुनिया के टॉप खिलाड़ियों का नेतृत्व कर चुके हैं। जल्दी नेतृत्व मिलने से वह जल्दी परिपक्व होंगे और आने वाले वर्षों में टीम का लंबा नेतृत्व कर पाएंगे।'

कप्तानी से मुक्त होने का रोहित पर प्रभाव

मिश्रा ने आगे कहा कि कप्तानी के बिना खेलना रोहित के लिए मानसिक रूप से सकारात्मक रहेगा। 'अब रोहित पर सीधे दबाव नहीं है। वह खुलकर खेल सकते हैं, अपनी बल्लेबाज़ी पर ध्यान दे सकते हैं और टीम के लिए परिणाम ला सकते हैं। गिल के नेतृत्व में खेलते हुए रोहित अपनी अनुभवसंपन्न भूमिका निभा सकते हैं, जिसमें रणनीतिक सुझाव और अनुभव साझा करना शामिल है।'

पूर्व स्पिनर के अनुसार, रोहित का अनुभव युवा गिल के लिए मार्गदर्शन का काम करेगा। मिश्रा ने कहा, ÷रोहित और गिल की जोड़ी संतुलन बनाएगी। रोहित टीम में अनुभव लेकर आएंगे, और गिल नेतृत्व में नयी ऊर्जा और दृष्टिकोण देंगे। यह संयोजन भारतीय टीम के लिए बहुत सकारात्मक है। गिल को इसका आनंद लेना चाहिए और जल्द से जल्द परिपक्व होने की कोशिश करनी चाहिए। रोहित को कप्तानी से मुक्त होने से मानसिक राहत मिली है, और वह टीम के लिए अपने प्रदर्शन में योगदान देंगे।'

ऑस्ट्रेलिया के लिए भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेट कीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), यशस्वी जायसवाल।

जापान ओपन : चोट के बावजूद नाओमी ओसाका ने क्वार्टर-फाइनल में बनाई जगह

ओसाका। जापान ओपन में नाओमी ओसाका ने चोट और भावनाओं से जूझते हुए क्वार्टर-फाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने लगातार आंसू झोंकते हुए डिफेंडिंग चैंपियन सुझान लेमेंस को हराया। ओसाका ने मैच 7-6 (8/6), 3-6, 6-2 से जीता और अब उनका क्वार्टर-फाइनल मुकाबला रोमानिया की जैकलीन क्रिस्टियन से होगा।

ओसाका ने कहा, 'इस मैच में मैं भावनात्मक रूप से बहुत कुछ महसूस कर रही थी। तीसरे सेट में मैंने पूरी कोशिश की कि कोई पछतावा न रहे।' फाइनल सेट में ओसाका 5-0 से आगे थी जब उन्हें बाएं पैर की चोट के कारण मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा। भारी स्ट्रैपिंग के साथ वे कोर्ट पर लौटीं, अगले दो गेम हारने के बावजूद मैच 2 घंटे 20 मिनट में जीत लिया। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका ने विजयी शॉट के बाद चेहरे को हाथ लगाते हुए आंसू रोकते हुए नेट की ओर बढ़ीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने दर्द निवारक दवा ली थी, लेकिन चोट 'अच्छी नहीं लग रही'। 'मैं सही से नहीं हिल पा रही थी। लेकिन मुझे लगता है कि मैं जल्दी ठीक हो जाऊंगी, इसलिए अगले मैच में सब ठीक रहेगा।' 27 वर्षीय ओसाका यह पहला टूर्नामेंट खेल रही हैं US Open 2025 के सेमीफाइनल के बाद, जहां वे अमांडा एनीसिमोवा से हार गई थीं। ओसाका अब दुनिया की 16वीं रैंक वाली खिलाड़ी हैं और 2021 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद किसी मेजर टूर्नामेंट के दूसरे सप्ताह में नहीं पहुंची थीं।

मैं अपने डिप्रेशन से लड़ रहा था

बाबिल खान ने जब एक्टिंग करियर शुरू किया तो वह अपने संजीदा अभिनय के लिए जाने गए। लेकिन कुछ महीनों पहले उनका एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह रोते हुए दिखे। इंडस्ट्री के कई लोगों को फेक बताते नजर आए। बाद में बाबिल की मां ने एक बयान जारी कर बताया कि वह मुश्किल दौर से जूझ रहे हैं। इस वीडियो के महीनों बाद अब बाबिल की एक सोशल मीडिया पोस्ट सामने आई है। जिसमें वह अपने डिप्रेशन प्रॉब्लम का जिक्र कर रहे हैं। यह पोस्ट देखकर कई बॉलीवुड सेलेब्स बाबिल को सपोर्ट करते भी दिखाई दिए।

अपनी पोस्ट में कविता कहने के अंदाज में लिखते हैं, 'मैं छुपकर सुनने का इरादा नहीं रखता था, इस कांच के घर की दीवारें पतली हैं। मैंने अपना दिल खोलकर रखा था। अब मेरे पास खून से सनी टी-शर्ट हैं। मुझे ठीक होने के लिए समय चाहिए था। मेरे भीतर के डिमन ने मुझे गहरे जख्म दिए हैं। नींद ना आना और घबराहट ने मुझे अजीब-अजीब चीजें सोचने पर मजबूर कर दिया था। मैं मदद के लिए पुकार रहा था, मैं अपनी आवाज को दबा नहीं पा रहा था। यह सबकुछ मेरी सेहत पर भारी पड़ रहा था। मेरी आत्मा थक चुकी थी। जब तुम अपनी प्रेमिका से लड़ रहे थे, तब मैं अपने अवसाद से लड़ रहा था।' बाबिल खान की हालिया पोस्ट पर बॉलीवुड सेलेब्स भी रिएक्ट रहे हैं। अपारशक्ति खुराना ने 'भाई' लिखते हैं, हार्ट इमोजी बनाया है। वहीं विजय वर्मा ने लिखा, 'हम तुम्हारे साथ हैं बाबिल।' गुलशन देवेया ने लिखा, 'देखो, यहां कौन आया है?' टीवी एक्टर हिमांशु सोनी ने भी बाबिल की पोस्ट को लाइक किया है। फैंस ने भी बाबिल को अपना सपोर्ट दिया है। एक यूजर ने लिखा, 'चलो भाई हो गया जो होना था, अब फिल्में करो, कविता लिखो, अपनी आर्ट को बाहर निकालो। मूव ऑन करो, अपनी विरासत को आगे बढ़ाओ।' इस तरह के सपोर्टिंग कमेंट्स कई फैंस बाबिल के लिए करते दिखाई दिए।

न्यूयॉर्क से दिल्ली पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा; राजामौली की फिल्म की शूटिंग करेंगी

प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में कुछ फोटो पोस्ट कीं। वह न्यूयॉर्क से दिल्ली पहुंची हैं। दिल्ली की खूबसूरती ने प्रियंका दिल जीत लिया है। जल्द ही वह साउथ की एक मेगा बजट फिल्म का शूटिंग शेड्यूल पूरा करेंगी। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी एक फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'कभी लगता है कि मैं प्लेन में रहती हूं।' आगे वह दिल्ली पहुंचने की फोटो शेयर करती हैं। इसके बाद कार में बैठकर दिल्ली की खूबसूरत को अपने फोन के कैमरे में कैद करती हैं। साथ ही कैप्शन लिखती हैं, 'दिल्ली की खूबसूरती।' ऐसा लगता है कि भारत आकर प्रियंका का मन खुशी से फूला नहीं समा रहा है।

विज्ञापन

राजामौली की फिल्म की शूटिंग करेंगी

प्रियंका चोपड़ा जल्द ही एस एस राजामौली की फिल्म 'SSMB29' का अगला शूटिंग शेड्यूल पूरा करेंगी। वह पहले भी इस फिल्म की शूटिंग के लिए भारत आ चुकी हैं। इस फिल्म में साउथ के पॉपुलर एक्टर महेश बाबू लीड रोल में हैं। फिल्म को बहुत बड़ा स्तर पर बनाया जा रहा है। शूटिंग को पूरी तरह से सीक्रेट रखा गया है।

निक जोनस संग दिवाली पार्टी मनाकर आईं

सोमवार को प्रियंका चोपड़ा दिल्ली पहुंचीं। लेकिन रविवार को वह न्यूयॉर्क में पति निक जोनस के साथ एक दिवाली पार्टी में भी नजर आईं। दिवाली पार्टी में प्रियंका चोपड़ा का लुक काफी चर्चा में रहा। प्रियंका ने पिछले दिनों निक के लिए करवाचौथ का व्रत भी किया था। सेलिब्रेशन, वेकेशन से जुड़ी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा करती रहती हैं।

पूजा हेगड़े का कौन सा सीक्रेट जानना चाहते हैं वरुण धवन? खास अंदाज में किया बर्थ डे विश

पूजा हेगड़े ने सोमवार को अपना 35वां जन्मदिन मनाया है। वरुण धवन ने अपनी इस को-एक्ट्रेस को एक दिन देर से बर्थ डे विश किया। लेकिन वरुण धवन ने अलग ढंग से पूजा को बर्थ डे विश किया है। एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में वरुण ने शेयर किया, उस पर एक खास सीक्रेट को सबसे साथ शेयर करने की रिक्वेस्ट पूजा हेगड़े से की। अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर वरुण धवन लिखते हैं, 'हैप्पी बर्थ डे पूजा जी। प्लीज, अपने ब्यूटी सीक्रेट बताएं। दुनिया के लिए इतनी बुरी बनना बंद कर दें।' वरुण ने जो वीडियो पूजा का बनाया है, उसमें वह अपना स्किन केयर कर रही हैं। वह पूजा की मेकअप आर्टिस्ट से सीक्रेट ब्यूटी प्रोडक्ट के बारे पूछते हैं, तो वह बताने से इंकार कर देती हैं। इस इस फिल्म में नजर आएंगे पूजा और वरुण वरुण धवन और पूजा हेगड़े

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में नजर आएंगे। इस फिल्म में मौनी रॉय भी नजर आएंगी। फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा बता जा रही है। वरुण धवन की हाल ही में एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' भी रिलीज हुई, जो बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा सकी है। इस फिल्म में वरुण के साथ जान्हवी कपूर नजर आई।

बिहार पर बेस्ड होगी सोनू सूद की अगली फिल्म

गरीबों के मसीहा के रूप में लोकप्रिय अभिनेता सोनू सूद आज रविवार को बिहार की राजधानी पटना पहुंचे। यहां उन्होंने अपनी आगामी फिल्म पर पत्ते खोले और कहा कि उनकी अगली फिल्म बिहार राज्य पर बेस्ड है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बिहार से उनका गहरा कनेक्शन है।

बातचीत में सोनू सूद ने कहा, अपनी मिट्टी से एक अलग ही लगाव है। वापस आया हूं और आता ही रहूंगा। उन्होंने यह भी बताया कि वह बिहार पर एक फिल्म बना रहे हैं। एक्टर ने कहा ,इवेंट भी होने वाला है..स्टार्ट भी करने वाले हैं..पटना अपनी मिट्टी है और जो अगली फिल्म भी कर रहा हूं वो बिहार पर आधारित है।

सोनू सूद के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें जोधा अकबर, सिम्बा और फतेह जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। उन्होंने एक्शन थ्रिलर फिल्म फतेह से निर्देशन में कदम रखा। इस फिल्म में सोनू सूद के साथ नसीरुद्दीन शाह, जैकलीन फर्नांडीज, विजय राज और दिव्येंदु भट्टाचार्य भी नजर आए। अपने फिल्मी करियर के अलावा सोनू सूद अपने चैरिटी कार्यों के लिए जाने जाते हैं।

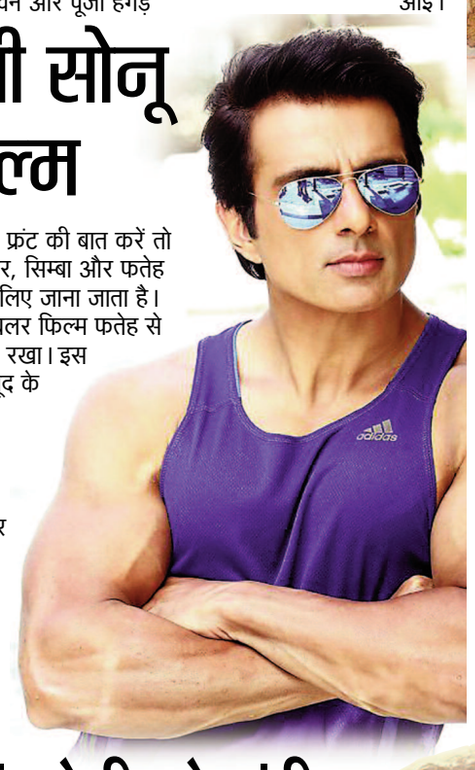

कॉन्टिलो पिक्चर्स की फ़िल्म 'महायोद्धा राम' में माँ सीता को अपनी आवाज़ देंगी मौनी

पिछले साल मौनी ने कई प्लेटफॉर्म्स और फॉर्मैट्स में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से साबित किया कि वे किसी भी रोल में जान डाल सकती हैं। अब वे बिना किसी ब्रेक के एक प्रोजेक्ट से दूसरे प्रोजेक्ट पर तेज़ी से कदम रख रही हैं। उन्होंने 'द भूतोनी' और 'सलाकार' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय कर दर्शकों का मन मोह लिया और एक बार फिर एक अभिनेत्री के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी आने वाली फ़िल्मों का लाइनअप भी उतनी ही प्रभावशाली हैं – वह जल्द ही कॉन्टिलो पिक्चर्स की फ़िल्म 'महायोद्धा राम' में माँ सीता को अपनी आवाज़ देंगी, मधुर भंडारकर के साथ 'द वाइव्स' में फिर से नज़र आएंगी, और वरुण धवन के साथ 'है जवानी तो इश्क होना है' में स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। हर प्रोजेक्ट में उनकी प्रतिभा का एक अलग पहलू दिखाई देता है, चाहे वो ड्रामा हो, वॉइस एक्टिंग हो या एनर्जेटिक डांस परफॉर्मेंस। लेकिन शायद मौनी के पहले से ही बिजी शेड्यूल का सबसे रोमांचक हिस्सा है उनका पहला टॉलीवुड डेब्यू — मेगास्टार चिरंजीवी के साथ फिल्म 'विश्वंभरा' में। यह कदम उन्हें न सिर्फ एक प्रतिभाशाली बल्कि एक भरोसेमंद स्टार के रूप में और मज़बूत करता है।

वरुण धवन ने सच में छोड़ी नो एंट्री

बोनी कपूर ने बताया सच

बॉलीवुड में बीते कुछ दिनों से चर्चा थी कि अभिनेता वरुण धवन ने फिल्म 'नो एंट्री 2' से किनारा कर लिया है। सोशल मीडिया पर खबरें फैलने लगीं कि वरुण अब इस मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। लेकिन अब खुद फिल्म के निर्माता बोनी कपूर ने इन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ किया है कि वरुण धवन और अर्जुन कपूर दोनों ही फिल्म का हिस्सा बने हुए हैं और फिल्म की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

अफवाहों पर बोनी कपूर की सफाई

हाल ही में मीडिया में आई खबरों में दावा किया गया था कि वरुण धवन ने 'नो एंट्री 2' छोड़ दी है, जिसके बाद प्रशंसकों में निराशा फैल गई। इसी बीच बोनी कपूर ने एक बयान जारी कर स्थिति साफ की। जूम के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, हम 'नो एंट्री में एंट्री' बना रहे हैं और वरुण और अर्जुन दोनों ही फिल्म में हैं। हम बस तीसरे हीरो और बाकी कास्ट को फाइनल करने की प्रक्रिया में हैं। इस बयान के साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म के मूल कलाकारों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और टीम फिलहाल बाकी कलाकारों के चयन में व्यस्त है।

दिलजीत दोसांझ की एग्जिट से उठे सवाल

कुछ दिन पहले यह खबर भी सामने आई थी कि फिल्म से दिलजीत दोसांझ ने अपना नाम वापस ले लिया है। इस खबर के बाद ही लोगों ने कयास लगाना शुरू कर दिया था कि शायद वरुण धवन ने भी फिल्म छोड़ दी हो। हालांकि बोनी कपूर ने इन सबको गलत साबित कर दिया।

बॉक्स ऑफिस के नतीजों से परे हैं कोंकणा सेन शर्मा

अभिनेत्री और फिल्ममेकर कोंकणा सेन शर्मा इन दिनों अपने नए शो सर्च- द नैना मर्डर केस को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज मशहूर डेनिश शो द किलिंग का भारतीय रूपांतरण है, जिसने इंटरनेशनल लेवल पर खूब सराहना पाई थी। इस हिंदी एडाप्टेशन का निर्देशन रोहन सिप्पी ने किया है। बातचीत में कोंकणा ने इस प्रोजेक्ट, अपने अनुभवों और निजी विचारों पर खुलकर बात की।

बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बहुत बड़ी चुनौती निभाने जैसा

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें इस प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किए जाने पर पहला रिएक्शन क्या था, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि वह बहुत उत्साहित थीं। एक्ट्रेस बोलीं- आप कोई भी ओरिजनल सीरीज तभी करना चाहेंगे जब उसका स्क्रिप्ट और कहानी वाकई में अच्छी हो, वरना क्या फायदा। यह बहुत पुराने और फेमस शो का अडॉप्टेशन है। मैंने इसका अमेरिकन वर्ज़न भी देखा है, जिसके बहुत सारे प्रशंसक हैं। उस शो की जो डिटेक्टिव है, उसके तो लाखों फॉलोअर हैं। मुझे लगा कि यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बहुत बड़ी चुनौती निभाने जैसा। मैं बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही थी कि मुझे इसका हिस्सा बनने का मौका मिला। कोंकणा ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का सबसे अच्छा हिस्सा यह था कि इसे रोहन सिप्पी डायरेक्ट कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा, रोहन के साथ मैंने बहुत साल पहले काम किया था। वह बहुत रिलैक्स्ड और क्रिएटिव डायरेक्टर हैं। वह वैसे निर्माता नहीं हैं जो दूरी बना लें, बल्कि कलाकारों के साथ बहुत सहयोगी रहते हैं। हमने पहले भी साथ में कई अजीबो-गरीब और मजेदार चीजें की हैं। इसलिए जब उन्होंने इस बार मुझे एक गहरी, सोचने वाली, मूडी डिटेक्टिव के रूप में कास्ट किया, तो मैं बहुत खुश हुई। मैंने पहले कभी पुलिस का किरदार नहीं निभाया था, इसलिए मेरे लिए यह बिल्कुल नया और रोमांचक अनुभव था।

बॉक्स ऑफिस और बिज़नेस से कोई फर्क नहीं पड़ता

बॉक्स ऑफिस और बिज़नेस पहलू पर उन्होंने कहा, सच कहूं तो मुझे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं ज्यादा रचनात्मक चीजों में दिलचस्पी रखती हूं। वैसे भी मैं बड़े बजट की फिल्मों में ज्यादा नहीं होती, तो पैसे या रिकवरी की चिंता नहीं रहती। मैं असल (हकीकत समझने वाली) अभिनेत्री हूं और बजट में फिट हो जाती हूं। वह हंसते हुए जोड़ती हैं, निर्माता जब मुझे लेते हैं, तो वे पहले ही अपना शोध कर चुके होते हैं। मैं उस हिस्से में दखल नहीं देती क्योंकि सच कहूं तो वह मेरा क्षेत्र नहीं है।

रियल लाइफ में भी थोड़ा वैसा ही बर्ताव करने लगती हूं

शूटिंग के अनुभवों पर बात करते हुए कोंकणा ने बताया कि इस शो के दौरान उन्होंने अपने किरदार से बहुत कुछ सीखा। इस बारे में उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मुझमें और इस किरदार में कई समानताएं हैं। मैं जब भी कोई किरदार निभाती हूं, तो उसमें अपने अंदर से कुछ न कुछ खोज लेती हूं। शायद मैं नैचुरली ऐसी ही हूं और फिर रियल लाइफ में भी थोड़ा वैसा ही बर्ताव करने लगती हूं। वह हंसते हुए कहती हैं, इस सीरीज की खासियत ही इसका तनाव और कैमरे के सामने की बारीक केमिस्ट्री है। यही चीज़ ओरिजनल में भी बहुत खास थी। उन्होंने अपने सह-कलाकार सूर्या शर्मा की भी खूब तारीफ की। सूर्या के साथ काम करना बहुत प्यारा अनुभव था। वह न केवल बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि बहुत अच्छे इंसान भी हैं।

मेट्रो इन दिनों था आखिरी प्रोजेक्ट

कोंकणा सेन शर्मा आखिरी प्रोजेक्ट मेट्रो इन दिनों में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ पंकज त्रिपाठी, आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली जफर, सान्या मल्होत्रा जैसे कलाकार मौजूद थे।

कॉमेडी और क्राइम का मिश्रण मेरा पसंदीदा जॉनर है

कोंकणा कई अलग-अलग शैलियों में काम कर चुकी हैं जैसे ड्रामा, क्राइम, कॉमेडी और स्वतंत्र सिनेमा। जब उनसे पूछा गया कि बतौर दर्शक वह किस तरह की कहानियां देखना पसंद करती हैं, तो उन्होंने कहा, मेरा कोई तयशुदा जॉनर नहीं है। कोई भी फिल्म या शो अगर अच्छा बना हो, तो मैं देख सकती हूं। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि वह कॉमेडी है या क्राइम। हां, हॉरर या अलौकिक चीजों से मुझे थोड़ा डर लगता है। पैरानॉर्मल एक्टिविटी जैसी फिल्में मैं कभी-कभी देखने से बचती हूं। वरना मुझे कॉमेडी भी बहुत पसंद है और क्राइम भी। शायद मैं कहूं कि कॉमेडी और क्राइम का मिश्रण मेरा पसंदीदा जॉनर है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।